

महापौर ने एंटी-स्मॉग गन से लैस 12 मल्टी-पर्पज वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने मंगलवार को सिविक सेंटर स्थित दिल्ली नगर निगम मुख्यालय से एंटी-स्मॉग गन, वाटर स्प्रंकलर और जेटिंग व्यवस्था से लैस 12 नवनिर्मित ट्रक-माउंटेड मल्टी-पर्पज वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रत्येक वाहन में 7,000 लीटर क्षमता का पानी का टैंक है। ये वाहन धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने, शहर के पर्यावरण में सुधार लाने और विभिन्न नागरिक सुविधाओं से संबंधित कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली नगर निगम आधुनिक मशीनरी के उपयोग के माध्यम से दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह पहल राजधानी में धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने, स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने की निगम की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। महापौर ने कहा कि ये 12 मल्टी-पर्पज वाहन वायु में मौजूद धूल के कणों को नियंत्रित करने, सड़कों को स्वच्छ रखने और नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने के प्रयासों को और मजबूती प्रदान करेंगे। इन वाहनों की बहुउपयोगी व्यवस्था से सड़कों की धुलाई, नालियों की जेटिंग और सार्वजनिक शौचालयों की सफाई जैसे कार्य भी अधिक प्रभावी ढंग से किए



जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित वाहन सड़कों की धूल, निर्माण गतिविधियों और अन्य स्रोतों से उत्पन्न होने वाले धूल कणों एवं पार्टिकुलेट मैटर को नियंत्रित करने में सहायक

होंगे। इससे निगम द्वारा पहले से किए जा रहे प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रयासों को और मजबूती मिलेगी। एंटी-स्मॉग गन और वाटर स्प्रंकलर के अतिरिक्त, इन वाहनों में छोटी ढकी हुई नालियाँ

और पुलियों में होने वाली रुकावटों को दूर करने के लिए जेटिंग व्यवस्था तथा सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, सामान्य धुलाई और पानी के छिड़काव के लिए वॉशिंग गन भी उपलब्ध हैं। इनकी बहुउपयोगी प्रकृति से निगम विभिन्न आवश्यक नागरिक रखरखाव कार्यों को अधिक कुशलता से संपन्न कर सकेगा। इन वाहनों का संचालन व्यापक परिचालन एवं रखरखाव (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस-ओएंडएम) मॉडल के तहत किया जाएगा, ताकि इनका सुचारु संचालन, नियमित रखरखाव और अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। मशीनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तृतीय-पक्ष निरीक्षण तथा आईआईटी दिल्ली के माध्यम से गुणवत्ता जांच की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक वाहन की लागत 35.06 लाख रुपये है तथा इनका अनुमानित उपयोगी जीवनकाल 15 वर्ष है। ये वाहन प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छता संबंधी पहलों को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करेंगे। इस दौरान उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, सदन के नेता जय भगवान यादव, स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, डेप्ट्स समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, अपर आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा तथा निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट ने स्पाइसजेट की याचिका पर विचार करने से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्पाइसजेट की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें कलानिधि मारन और काल एयरवेज के साथ लंबे समय से चल रहे मध्यस्थता विवाद के सिलसिले में भुगतान करने के आदेश वाली रकम जमा करने के लिए समय बढ़ाने की मांग की गई थी। जस्टिस विनोद कुमार ने मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह की गुड़गांव वाली संपत्ति को सिक्वोरिटी के तौर पर स्वीकार करने से भी इनकार कर दिया क्योंकि स्पाइसजेट न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के पास पहले के आदेश के मुताबिक 50 करोड़ जमा करने में नाकाम रही थी। मामले में अगली सुनवाई 3 नवंबर को होगी। न्यायालय ने कहा कि अगर स्पाइसजेट ने 50

करोड़ जमा किए होते तो ये न्यायालय 94 करोड़ की राशि की अनुमति देने के लिए सिक्वोरिटी के तौर पर गुड़गांव में प्रॉपर्टी के दस्तावेज जमा करने की याचिका पर विचार कर सकता था। न्यायालय ने कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता ने अपने वादे के मुताबिक 50 करोड़ जमा नहीं किए हैं इसलिए प्रॉपर्टी को सिक्वोरिटी के तौर पर स्वीकार करने की अर्जी खारिज की जाती है। न्यायालय ने इस बात पर गौर किया कि 13 जुलाई, 2026 को स्पाइसजेट ने रजिस्ट्री में 45 दिनों के भीतर 50 करोड़ और बाकी बचे 94 करोड़ 90 दिनों के भीतर चुकाने का वादा किया था। न्यायालय ने कहा कि अगर स्पाइसजेट ने 50 करोड़ जमा कर दिए होते तो न्यायालय दूसरी किस्त के लिए नरमी बरतता।

नई दिल्ली, एंजेंसी।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की 1284वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में 5889 करोड़ रुपये से 21895 विद्यार्थियों के लिए आवासीय सुविधाओं के निर्माण को मंजूरी प्रदान की गयी। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने मंगलवार को आयोजित बैठक में कहा कि 21वीं सदी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन इमारतों के डिजाइन तैयार किए गए हैं। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए नई आवासीय सुविधाओं का निर्माण अगले 100 वर्षों को ध्यान में रख कर किया जाएगा।

कार्यकारी परिषद द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुसार 4027 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से नए छात्रावासों का निर्माण किया जाएगा, जिससे विश्वविद्यालय में 15758 विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा दो पुराने छात्रावासों के पुनर्निर्माण का प्रस्ताव भी पारित किया गया है जिस पर करीब 1862 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इससे 6137 विद्यार्थियों के लिए अवसीय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कुलपति ने बताया कि दिल्ली



विश्वविद्यालय के ढाका कॉम्प्लेक्स, सूरजमल विहार कैंपस और नजफगढ़ कैंपस में अतिरिक्त बहुमंजिला हॉस्टल बिल्डिंग बनाने का निर्णय लिया गया है।

नए हॉस्टलों के निर्माण के अतिरिक्त 'जुबली हॉल' और 'पीजी मेन्स हॉस्टल' के पुनः निर्माण के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय में भवन निर्माण के लिए खाली स्थान की कमी को देखते हुए यह भी तय किया गया कि हर छात्रावास ब्लॉक को इस तरह से डिजाइन किया जाएगा कि उस परिसर के लिए तय अधिकतम फ्लोर एरिया रेश्यो (एएफएआर) का पूरा इस्तेमाल हो सके। इसके अलावा इन ब्लॉकों

में डाइनिंग हॉल, दुकानें, कॉमन रूम, रीडिंग रूम, वाईर के रहने की जगह आदि की सुविधा भी दी जाएगी। बैठक में पारित प्रस्ताव के अनुसार ढाका कॉम्प्लेक्स में हॉस्टल निर्माण के अलावा रोशनपुरा (नजफगढ़) में वीर सावरकर कॉलेज, द्वारका (नजफगढ़) में विश्वविद्यालय के पश्चिमी परिसर और सूरजमल विहार कडकड़डूमा स्थित विश्वविद्यालय के पूर्वी परिसर में भी लड़कियों और लड़कों के लिए हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा। कार्यकारी परिषद ने सभी कॉलेजों से अपील की कि वे अपने कॉलेजों में भी नए हॉस्टलों के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करें और फंडिंग एंजेंसी को भेजें।

यूथ कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन पर रोक मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस

नई दिल्ली।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं देने के फैसले को चुनौती देने वाली यूथ कांग्रेस की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। जस्टिस अमित महाजन की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को करने का आदेश दिया। मंगलवार सुबह जब इस मामले की सुनवाई शुरू हुई तो दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एसजी) चेतन शर्मा ने कहा कि अब इस याचिका पर सुनवाई का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर को विरोध प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा दिया है। दिल्ली पुलिस को इस दलील का यूथ कांग्रेस के वकील सिद्धार्थ लथरा ने विरोध करते हुए कहा कि पुलिस की यह दलील केवल याचिका को टालने का बहाना है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस अपने फैसले की प्रति हमें दे तो हम याचिका के प्रार्थना में संशोधन जरूर करेंगे। उसके बाद कोर्ट ने इस मामले पर शाम

को सुनवाई करने का आदेश दिया। शाम को सुनवाई के वक्त सिद्धार्थ लथरा ने कहा कि वे अपने प्रार्थना के उस हिस्से पर न्यायालय का नोटिस चाहते हैं, जिसमें पुलिस के एकतरफा और मनमाने फैसले को चुनौती दी गई है। दिल्ली पुलिस बिना कोई वजह बताए प्रदर्शन करने के अधिकार पर रोक नहीं लगा सकती है। उनकी इस दलील के बाद न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया।

याचिका यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने दायर की है। चिब ने दिल्ली पुलिस के बीते एक अक्टूबर के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनके आवेदन को खारिज कर दिया गया था। याचिका में कहा गया है कि यूथ कांग्रेस ने 25 सितंबर को लगभग 100-150 लोगों के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी थी। यूथ कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस को दो अपनी अर्जी में कहा था कि वह सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन, अनुशासन और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने से जुड़ी सभी कानूनी शर्तों का पालन करेगा।

स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने निगम के प्रत्येक वार्ड में महिला पार्क विकसित करने के लिए निर्देश

शबाना बेगम, सदभावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने निगम के प्रत्येक वार्ड में महिला पार्क विकसित करने की दिशा में पहल करते हुए मंगलवार को अतिरिक्त आयुक्त खिलाफ मित्तल एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने दिल्ली नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में महिला पार्क विकसित करने की दिशा में पहल करते हुए उद्यान विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षित, सुविधाजनक एवं अनुकूल वातावरण में सुबह-शाम सैर करने और समय बिताने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध कराना आवश्यक है।

इस संबंध में सत्या शर्मा ने अतिरिक्त आयुक्त संजीव मित्तल एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी जोंनों में सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए, ताकि ऐसे पार्कों एवं स्थानों की पहचान की जा सके, जहां महिला पार्क विकसित किए जा सकें हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक वार्ड में महिला पार्क विकसित करने की संभावनाओं का आकलन कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। बैठक में निगम के पार्कों में वर्षा जल संचयन व्यवस्था स्थापित करने पर भी जोर



दिया गया। सत्या शर्मा ने निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड के पार्कों में वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाने की संभावनाओं का आकलन किया जाए, ताकि वर्षा जल का संरक्षण किया जा सके और भूजल स्तर में सुधार की दिशा में योगदान दिया जा सके। इसके अतिरिक्त, बैठक में पेड़ों की छंटाय, हरित कचरे के उचित प्रबंधन तथा पार्कों के नियमित रखरखाव जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पार्कों की साफ-सफाई एवं रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए और हरित कचरे का उचित निस्तारण सुनिश्चित

किया जाए। स्थायी समिति अध्यक्ष ने पार्कों में नागरिकों की सुविधा के लिए सैर के लिए बेहतर ट्रैक विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्कों को बेहतर एवं सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि नागरिकों को स्वच्छ, हरित और बेहतर सार्वजनिक स्थान उपलब्ध हो सकें। सत्या शर्मा ने अधिकारियों से सभी निर्देशों पर समयबद्ध कार्यवाही करने तथा पार्कों के विकास एवं रखरखाव की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

दिल्ली में सीजेपी और एनएसयूआई का दोबारा प्रदर्शन, कई हिरासत में

नई दिल्ली, एंजेंसी। दिल्ली के ऐतिहासिक धरना स्थल जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की आधिकारिक सूची से हटाए जाने के 24 घंटे के भीतर मंगलवार को यहां प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहा। दिल्ली पुलिस के कड़े सुरक्षा घेरे और बैरिकेड्स को चकमा देकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ता जंतर-मंतर और कर्नाट प्लेस इलाके में घुस गए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच तीखी नोकझोंक तथा धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने सीजेपी प्रवक्ताओं और एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। उधर, जंतर-मंतर पर पाबंदी के इस फैसले को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में भी कानूनी खींचतान तेज हो गई है। सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास की अनुवाई में पार्टी कार्यकर्ताओं ने आज सुबह सुरक्षा व्यवस्था को भेदते हुए जंतर-मंतर के मुख्य लोहे के गेट और बैरिकेड कूदकर प्रवेश कर गए। कार्यकर्ताओं ने परिसर के भीतर तिरंगा लहराते हुए 'भारत माता की जय' और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाए।

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पर फिर से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।



उल्लेखनीय है कि हाल ही में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट अदालत ने इन नेताओं को 50 हजार रुपये के बांड पर एक साल तक शांति और सदाचार बनाए रखने की शर्त पर जमानत दी थी, जिसके बावजूद यह कदम उठाया गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आशुतोष रांका, सौरव दास और अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। दूसरी तरफ, कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने राजीव चौक और कर्नाट प्लेस के पास अचानक 'फ्लैश प्रोटेस्ट' शुरू कर दिया। एनएसयूआई के

राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कथित 'वोट चोरी' और जंतर-मंतर को दोबारा धरना स्थल के रूप में बहाल करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान एनएसयूआई ने दिल्ली पुलिस पर शांतिपूर्ण छात्रों और महिला कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट तथा बर्बरता का गंभीर आरोप लगाया।

संगठन ने कहा कि लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने की कोशिशें सफल नहीं होंगी और उनका संघर्ष जारी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक उच्चस्तरीय समिति की सिफारिश पर दिल्ली पुलिस ने 12 अक्टूबर को एक अधिसूचना जारी कर जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन स्थलों की सूची से बाहर कर दिया था। नई व्यवस्था के तहत दिल्ली में धरने-प्रदर्शनों के लिए तीन वैकल्पिक स्थान तय किए गए हैं। इनमें रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी ग्राउंड शामिल हैं। हाई-सिक्वोरिटी जोन में स्थित जंतर-मंतर दर्शकों से देश के प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों का केंद्र रहा है। हाल के दिनों में विपक्षी दलों और छात्र संगठनों द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ किए जा रहे लगातार प्रदर्शनों के बीच प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया। जंतर-मंतर पर पाबंदी और नई नियमावली का मामला दिल्ली उच्च न्यायालय में भी पहुंच गया है। स्थानीय व्यापारियों ने उच्चतम न्यायालय के 'अमित साहनी बनाम फेसलेट' फैसले का हवाला देते हुए नियमित प्रदर्शनों से कारोबार को हो रहे नुकसान की दलील दी है, जबकि एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ की ओर से पाबंदी के खिलाफ याचिका दायर की गई है। अदालत इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

विरोध-प्रदर्शन से प्रभावित क्षेत्रों में एनडीएमसी ने चलाया स्वच्छता अभियान, प्रतिदिन 300 मीट्रिक टन कचरा एकत्र

शाहनवाज सैफ, सदभावना टुडे

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने मंगलवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान में एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल एवं परिषद सदस्य अनिल वाल्मीकि ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारियों के साथ भाग लिया। अभियान के दौरान मंडी हाउस में नेपाल एवं ईरान के दूतावासों के बाहर विरोध-प्रदर्शन से प्रभावित आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई। विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रतिदिन 300 मीट्रिक टन से अधिक कचरा एकत्र किया गया। इस मौके पर कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि एनडीएमसी क्षेत्र में संसद भवन, प्रमुख सरकारी कार्यालय, विभिन्न देशों के दूतावास, वीवीआईपी आवास, बड़े होटल और स्कूल स्थित हैं। यहां प्रतिदिन वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों, राजनयिकों, विद्यार्थियों, पर्यटकों तथा देश-विदेश से आने वाले लोगों का आवागमन होता है। इसलिए क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखना एनडीएमसी की प्रमुख जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि विरोध-प्रदर्शन के बाद प्रभावित क्षेत्रों में गंदगी और कचरे को लेकर शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एनडीएमसी ने तुरंत विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया, ताकि आम नागरिकों, व्यापारियों, दूतावासों में आने-जाने वाले लोगों और स्कूलों के विद्यार्थियों को किसी



प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर से शुरू हुए विरोध-प्रदर्शन के कारण मंडी हाउस, जंतर-मंतर, जनपथ और कर्नाट प्लेस के आसपास सामान्य दिनों की तुलना में अधिक कचरा जमा हुआ। एनडीएमसी के कचरा उठाने वाले वाहनों की वजन रिपोर्ट के अनुसार, 13 अक्टूबर तक प्रतिदिन एकत्र होने वाले कचरे की मात्रा सामान्य दिनों से अधिक दर्ज की गई। चहल ने बताया कि इस दौरान सरकारी एवं सार्वजनिक संपत्तियों और नागरिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा। कई स्थानों पर हरित पट्टियों, पेड़-पौधों और फुटपाथों को क्षति पहुंची, जबकि कुछ शौचालयों में तोड़फोड़ भी पाई गई। दीवारों पर पोस्टर चिपकाने और नारे लिखने से भी सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता और स्वच्छता प्रभावित हुई। इसके अलावा, कई स्थानों पर बड़ी मात्रा में खाने के पैकेट, रोटीयां और अन्य खाद्य सामग्री पड़ी मिली।

जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल सूची से हटाना जनहित में निर्णय, कांग्रेस और आआपा का विरोध राजनीतिक: हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, एंजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने के दिल्ली पुलिस के फैसले को जनहित में लिया गया निर्णय बताया है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों को होने वाली असुविधा और बदलती राजधानी की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और सी.जे.पी. के विरोध को राजनीतिक रूप से प्रेरित और हास्यास्पद करार दिया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का इतिहास प्रदर्शनों के प्रति असहिष्णुता का रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारों के दौरान दिल्ली के बोट क्लब पर गौहत्या विरोधी आंदोलन, किसान आंदोलन और राम मंदिर आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठियां और गोलाया चलाई गई थीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1993 तक बोट क्लब प्रदर्शन का प्रमुख स्थल हुआ करता था, लेकिन बाद में कांग्रेस ने बड़े प्रदर्शनों पर रोक लगा दी थी। उन्होंने आम आदमी पार्टी की आपत्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अगस्त 2016 में अपने आवास के पास प्रदर्शन रोकने के लिए एसडीएम से आदेश जारी करवाया था। मल्होत्रा ने इसे प्रदर्शनों के प्रति असहिष्णुता का उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसे दलों द्वारा प्रदर्शन स्थल में बदलाव का विरोध करना हास्यास्पद है। पंजाब की स्थिति का जिक्र करते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि वहां कर्मचारियों, छात्रों, व्यापारियों और किसानों सहित विभिन्न वर्गों के लोग अपने मुद्दों को लेकर प्रदर्शन करते हैं, लेकिन उन्हें पुलिस की सख्ती का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को प्रदर्शनकारियों के अधिकारों पर सवाल उठाने से पहले अपने शासन के रिकॉर्ड पर भी ध्यान देना चाहिए। मल्होत्रा ने कहा कि वर्ष 1993 से 2026 तक करीब 33 वर्षों में जंतर-मंतर हजारों प्रदर्शनों का गवाह रहा है। हालांकि, दिल्ली के लगातार विस्तार और बढ़ती आबादी के बीच अब यहां होने वाले प्रदर्शनों से आम जनजीवन प्रभावित होता है। ऐसे में दिल्ली पुलिस द्वारा तीन नए प्रदर्शन स्थल निर्धारित करना लोकहित में उठाया गया कदम है।

हाई कोर्ट ने डीडीए पार्क में रामलीला की इजाजत देने से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय की डिवीजन पीठ ने एक मामले में सुनवाई करते हुए पार्क में रामलीला आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। न्यायालय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से पार्क की हरियाली बनाए रखना जरूरी है। कार्यवाहक चीफ जस्टिस नितिन वासुदेव सांन्ने की डिवीजन पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए श्री सनातन धर्म रामलीला कमेटी की अपील खारिज कर दी। रामलीला कमेटी ने सिंगल पीठ के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें नारायणा स्थित चिंटू पार्क में वार्षिक रामलीला आयोजित किए जाने की अनुमति देने की मांग को दरकिनार करते हुए पार्क की भूमि को हरित क्षेत्र के रूप में बरकरार रखने का निर्देश दिया गया था। रामलीला कमेटी ने 19 अगस्त के आदेश में बदलाव की मांग कर दिया हुए दलील दी कि वे पिछले 53 साल से इसी परिसर में रामलीला का आयोजन करती रही है। कमेटी ने कहा कि वह जमीन को पहले जैसी स्थिति में बहाल करने के लिए आवश्यकन देने को तैयार है और हरे-भरे पौधों की भरपाई करना भी सुनिश्चित करेगी। डीडीए ने रामलीला कमेटी की इस मांग का विरोध किया और कहा कि न्यायालय के निर्देशों के बाद पार्क के सुधार पर काफी धन खर्च हुआ है। दोबारा इस तरह के आयोजन से फिर हरित क्षेत्र को नुकसान पहुंच सकता है। डीडीए ने कहा कि कमेटी को किसी खास उद्देश्य के लिए इस जमीन का स्थाई रूप से उपयोग करने का पूर्ण अधिकार नहीं है। सुनवाई के दौरान डिवीजन पीठ ने वहां की तस्वीरों का भी अवलोकन किया। न्यायालय ने कहा कि इस काम पर पहले ही काफी सरकारी धन खर्च किया जा चुका है। डिवीजन पीठ को सिंगल पीठ के फैसले को बदलने के लिए कोई ठोस आधार नहीं मिला इसलिए कमेटी की याचिका को खारिज कर दिया।

रन्होला के घोषित बदमाश मोसिन खान की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के रन्होला इलाके में हमलावरों ने गोली मारकर एक युवक की हत्या कर दी। मृतक विकास नगर स्थित कमांडर चौक निवासी मोसिन खान (पुत्र मोहम्मद इंतजार) है। मोसिन इलाके का कुख्यात अपराधी था और उसके खिलाफ 14 अपराधिक मामले दर्ज थे। वह रन्होला थाने का घोषित बदमाश भी था। गोली लगने के बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, वारदात की सुचना 11 अक्टूबर की शाम करीब 5:30 बजे मिली। अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचित किया कि गोली लगने से घायल एक युवक को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही रन्होला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने मृतक का अपराधिक रिकॉर्ड खंगाला, तो पता चला कि मोसिन खान लंबे समय से वारदातों में शामिल रहा था। रन्होला थाने की पुलिस ने उसकी आपराधिक गतिविधियों को रद्दते हुए उसे 'बैड कैरेक्टर' की श्रेणी में डाल रखा था। हालांकि पुलिस ने अभी तक इस हत्याकांड के पीछे किसी पुरानी रंजिश या गैंगवार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन मामले को आपसी विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। वारदात को लेकर रन्होला थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 11 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

एक नजर

फंदे पर लटका मिला विवाहिता का शव, हत्या का आरोप

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के आदर्श नगर में मंगलवार को 28 वर्षीय अंजना का शव घर के कमरे में फांसी से लटका हुआ मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के पिता ने ससुराल के लोगों पर हत्या कर फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मृतिका के शव का पोस्टमार्टम करा रही है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट में मौत के कारणों का साफतौर से खुलासा हो पाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मूल रूप से अलीगढ़ यूपी के रहने वाले सतीश कुमार ने बताया कि वो पिछले काफी समय से बल्लभगढ़ की आदर्श कॉलोनी में रह रहे हैं। करीब 10 साल पहले उन्होंने अपनी भतीजी अंजना (28) की शादी आदर्श कॉलोनी के रहने वाले दिनेश (31) के साथ की थी। शादी होने के कुछ समय बाद तक सब ठीक रहा लेकिन उसके बाद उनकी भतीजी के साथ मारपीट शुरू हो गई। अंजना के भाई कुलदीप का आरोप है कि उसका पति दिनेश शराब पीने का आदी है और नशे में परिवार के लोगों के कहने पर अंजना के साथ मारपीट करता था। अंजना का मोबाइल भी छीनकर रखा हुआ था। उन्होंने कहा कि पहले अंजना की हत्या की गई और इसके बाद उसको फंदे से लटका दिया गया। उन्होंने कहा कि प्लान बनाकर पहले ही घर में लगे कैमरों को बंद कर दिया गया था। शादी के बाद अंजना का एक सात साल का बेटा है। थाना आदर्श नगर पुलिस के मुताबिक मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। थाना प्रभारी राम निवास ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

383 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे बरामद, एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध रूप से पटाखों की बिक्री करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में मंगलवार को अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने कैली गांव में खंदावली रोड स्थित मुकेश ट्रेडर्स की दुकान को गुरा सूचना प्राप्त हुई कि कैली गांव, खंदावली रोड स्थित मुकेश ट्रेडर्स का संचालक मुकेश कुमार अवैध रूप से पटाखे बेचने का काम करता है तथा उसने बिक्री के लिए अपनी दुकान में पटाखों से भरे प्लास्टिक कंठे रखे हुए हैं। उन्होंने आगे बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर मुकेश कुमार को काबू किया। दुकान में रखे प्लास्टिक कट्टों की जांच करने पर उनमें रॉकेट बम, सुतली बम, मुर्गा पटाखे, आकाश में छोड़ी जाने वाली आतिशबाजी, अनार, फुलझंडी, फिफकी सहित विभिन्न प्रकार के 383.750 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे मिले। पटाखों को रखने एवं बेचने के संबंध में आरोपी से लाइसेंस व परमिट मांगा गया, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। आरोपी मुकेश कुमार के खिलाफ नशे सेक्टर-58 में संबंधित थाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

नूंह में विकास कार्यों का डीएमसी शशि वसुंधरा ने किया औचक निरीक्षण

नूंह। जिला नगर आयुक्त (डीएमसी) शशि वसुंधरा ने मंगलवार को नूंह शहर में नगर परिषद की ओर से कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप समय पर पूरे किए जाएं। निरीक्षण के दौरान जिला नगर आयुक्त ने अधिकारियों को विकास कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। विकास कार्यों के निरीक्षण के बाद डीएमसी शशि वसुंधरा ने मुख्यमंत्री परिवार उत्थान मेले का भी जायज जिला। उन्होंने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टालों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने के लिए प्रभावी करम उठाए जाएं। मेले के दौरान जिला नगर आयुक्त ने लाभार्थियों से बातचीत कर योजनाओं के क्रियान्वयन और उन्हें मिल रहे लाभों के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री परिवार उत्थान मेले का उद्देश्य पात्र परिवारों को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र लाभार्थी जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास होना चाहिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

जेएनयू मामले को लेकर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

नूंह,एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से जुड़े छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर मंगलवार को नूंह में भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष गोल्डी शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय झिर कमल से मार्च निकाला। कार्यकर्ताओं ने पुरानी महसील के रास्ते होते हुए बड़ी मस्जिद गिराहे पर पहुंचकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूँका और नारेबाजी कर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने मामले में जवाबदेही तय करने और उचित कार्रवाई करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन में भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पिंटू सहित महिला मोर्चा की कार्यकर्ता और पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने छात्राओं की मौजूदा और सम्मान का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस नेतृत्व से मामले में अपना पक्ष स्पष्ट करने की मांग की। भाजपा महिला



मोर्चा की जिला अध्यक्ष गोल्डी शर्मा ने कहा कि 11 छात्राओं से जुड़े कथित उत्पीड़न के आरोप गंभीर हैं और इस

मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर सवाल उठाते

फरीदाबाद : राजस्थान में मारे गए पूर्व विधायक का पैतृक गांव में हुआ अंतिम संस्कार

फरीदाबाद। खनन विवाद में हुई भाजपा के पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना की हत्या के बाद सोमवार देर शाम उनका फरीदाबाद के पैतृक गांव पाली में दाह संस्कार किया गया। उनके बेटे अर्जुन भड़ाना ने चिता को मुखारिगि दी। अंतिम संस्कार के वक्त पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना के दोस्त कृष्णपाल गुर्जर, कांग्रेस के पूर्व विधायक ललित नागर सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि अतर सिंह 1982 में महज 24 साल की उम्र में निरविरोध सरपंच रहे। इसके बाद 1994 में वो दूसरी बार इलेक्शन जीतकर सरपंच बने।

उनके पिता बुध सिंह भड़ाना भी गांव के सरपंच रहे थे। उनके पिता के नाम पर गांव में छह एकड़ का स्टेडियम बनाया गया है। राजस्थान में काम शुरू करने से पहले अतर सिंह फरीदाबाद में क्रेशर चलाया करते थे।30 साल पहले राजस्थान में उन्होंने क्रेशर प्लांट का काम शुरू किया और कुछ समय बाद ही परिवार के साथ वह यहां से चले गए। मगर, गांव की शरादियों और दूसरे प्रोग्राम में लगातार आना जाना रहता था। वर्तमान में वह भरतपुर जिले के बयाना विधानसभा के गांव शेरगढ़ में बने फार्महाउस पर परिवार के साथ रह रहे थे। अतर

गुरुग्राम: सरकार के मंत्री ही सरकारी अस्पताल निर्माण में बाधा हैं तो सरकार वया कर रही- पंकज डावर

गुरुग्राम। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव द्वारा गुरुग्राम के सिविल अस्पताल के निर्माण में रोड़ा अटकाने वाले बयान पर कहा कि अगर ऐसी बात है तो फिर ऐसे नेताओं पर एक्शन अतरे में देरी क्यों हो रही है। क्यों नहीं वे सरकार के समक्ष सीधे तौर पर अपनी बात रख रहें।

पंकज डावर ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव कहती हैं कि अस्पताल निर्माण के कुल बजट में से 70 करोड़ रुपये एचएसआईआईडीसी को ट्रांसफर कराए जा चुके हैं। राजनीतिक खींचतान से निर्माण रुका हुआ है। बजट और प्रशसनिक मंजूरी के बाद स्थानीय स्तर पर राजनीतिक द्वेष से काम को रोक़ा जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की चिकित्सा को लेकर गंभीरता दिखा रही हैं। बिना नाम लिए वे एक कैबिनेट मंत्री पर काम रुकवाने के आरोप लगा रही हैं। मुख्यमंत्री को गुमराह करने की वे बात कह रही हैं। इतना सब उनको पता है मगर आज तक उन्होंने इस पर सरकार से कोई बात नहीं की। गुडशां के विधायक भी सलाह दे रहे हैं कि मंत्री के पोर्टफोलियो में एचएसआईआईडीसी आता है, इसलिए उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। पंकज डावर ने



स्वास्थ्य मंत्री और गुडशांव के विधायक से सवाल किया है कि क्या इतने समय से अस्पताल के नाम पर जनता को भ्रमित किया जा रहा है। कभी यहां सीपीडब्ल्यूडी की टीम दौरा करती है तो कभी यह काम पीडब्ल्यूडी को सौंपने की बात कही जा रही है। इन्हें भी सारा काम उलझाकर रखा हुआ है। इससे पहली की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री के

बीच खींचतान के चलते अस्पताल का निर्माण नहीं होने की बातें उठती थीं। अब दूसरे विभाग के मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के बीच राजनीतिक द्वेष से अस्पताल नहीं बन पा रहा। पंकज डावर ने कहा कि फिर सरकार किस बात का विकास का ढोल पीट रही है। किस हक से सरकार के मंत्री स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतर सेवाओं का दावा करते फिर रहे हैं।

डा. सुधा यादव बनीं राज्यपाल, दक्षिण हरियाणा की बड़ी शान

गुरुग्राम। कारगिल के पहले शहीद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह यादव की वीरांगना डा. सुधा यादव की कर्नाटक में राज्यपाल की नियुक्ति से दक्षिण हरियाणा का सम्मान बढ़ा है। राष्ट्रपति की ओर से उन्हें राज्यपाल नियुक्त होने की सूचना के बाद से पूरे दक्षिण हरियाणा में खुशी की लहर है। डा. सुधा यादव महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से वर्ष 1999 में सांसद भी बनीं थीं। अब उन्हें कर्नाटक की राज्यपाल के रूप में एक और बड़ा सम्मान मिला है।

डा. सुधा यादव को राज्यपाल बनाया जाना दक्षिण हरियाणा के लिए गर्व और गौरव की बात है। राष्ट्रपति भवन से सोमवार देर शाम नोटिफिकेशन जारी होते ही उन्हें बधाई देने वालों का उनके सेक्टर-10 गुरुग्राम स्थित आवास पर लोगों का जमावड़ा लगता गया। मंगलवार को उन्होंने परिवार के साथ शीतला माता मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर स्टाफ ने भी उन्हें राज्यपाल बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डा. सुधा यादव को कर्नाटक की राज्यपाल बनाए जाने की सूचना मिलते ही गुरुग्राम समेत पूरे दक्षिण हरियाणा में खुशी की लहर दौड़ गई। उनके गुरुग्राम स्थित निवास पर बधाई देने वाले पहुंचने लगे। डॉ. सुधा यादव 1999 में हुए

हुए कहा कि महिलाओं और बेटियों के सम्मान से जुड़े मामले में कांग्रेस नेतृत्व को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपनी बेटियों को बेहतर शिक्षा और भविष्य के लिए शिक्षण संस्थानों में भेजते हैं।

ऐसे में छात्राओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को सुनिश्चित करना जरूरी है। गोल्डी शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि मामले में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो भाजपा महिला मोर्चा की ओर से आगे भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पिंटू ने भी छात्राओं से जुड़े कथित उत्पीड़न के मामले में जवाबदेही तय कर उचित कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्राओं से संबंधित ऐसे गंभीर आरोपों पर संबंधित पक्षों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मांगों पर सुनवाई नहीं होने की स्थिति में भाजपा कार्यकर्ता दोबारा आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे।

सोसाइटी के अंदर घूमाते समय खतरनाक नस्ल के कुत्ते ने किया पग पर हमला, उपचार के दौरान मौत, मुकदमा दर्ज



अपने पालतू कुत्ते को सोसाइटी के एक ऐसे व्यक्ति के साथ घूमने के लिए छोड़ दिया है जो ना तो कुशल था ना ही प्रशिक्षित था और ना ही प्रमाणित डाग वाकर/ट्रेनर है।11 अक्टूबर को जब वह अपने पग को घुमा रही थी तभी खुशी त्यागी के हिंसक नस्ल के कुत्ते ने उनके पग पर हमला कर दिया। इस घटना में वह नीचे गिर गई, तथा उनके पग को खतनाक कुत्ते ने काट लिया। लोगों ने उसके चंगुल से उनके पग को छुड़ाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह तब तक उसे काटता रहा जब तक उसने यह नहीं समझ लिया कि पग मर गया है।

उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर उसकी मौत हो गई। महिला के अनुसार गोगो 9 साल से उनके परिवार के सदस्य की तरह था। उसकी मौत से उनका पूरा परिवार सदमे में है। इस घटना की एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 291, 115(2) तथा पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 के 11 (1) (ए) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

गुरुग्राम किसानी ऊर्जा समृद्धि कार्यक्रम में आधुनिक खेती

अपनाने वाले किसान सम्मानित

गुरुग्राम। आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने वाले किसानों को सम्मानित करने के लिए किसानी ऊर्जा की ओर से दो दिवसीय किसानी ऊर्जा समृद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खेती वही, तरीके नए, कमाई बेहतर की सोच के साथ आदर्श किसान खेत पहल से जुड़े किसानों को सम्मानित किया गया। किसानी ऊर्जा के संस्थापक एवं सीईओ उत्कर्ष गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि किसानों के साथ मिलकर व्यावहारिक सुधारों और नई तकनीकों को अपनाने के जोखिम को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेल्लोर में किसानी दीर्घायु संगठन और किसानों के बीच महत्वपूर्ण सेतु का काम कर रही हैं। ये दीर्घायु गांव-गांव जाकर किसानों को नई तकनीकों के बारे में जागरूक कर रही हैं। किसानी ऊर्जा के अनुसार, आदर्श किसान खेत पहल के तहत किसानों को पारंपरिक खेती के साथ नई और व्यवस्थित कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जमीनी स्तर पर प्रदर्शन और किसानी दीर्घियों के सहयोग से किसानों को बेहतर कृषि पद्धतियों की जानकारी दी जा रही है।

नगीना की रामलीला में ताड़का के विकराल रूप ने वाहवाही लूटी

नूंह। कस्बा नगीना के गोहरवाली चौक स्थित प्रांगण में श्री रामलीला विकास कमेटे की तत्वावधान में आयोजित रामलीला में धार्मिक, सांस्कृतिक, मार्मिक और मनोरंजक दृश्यों का शानदार मंचन किया गया। ताड़का के भयानक रूप और राम-लक्ष्मण के साथ उसके युद्ध ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया, वहीं चिकित्सक डॉक्टर घोड़ पड़े के हास्य अभिनय और अनोखे संवादों ने दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर दिया। रामलीला का शुभारंभ भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना और भारतीय वीरों की गाथाओं के गुणगान के साथ हुआ।

रामलीला कमेटे के संरक्षक रजत जैन ने बताया कि मंचन के दौरान ऋषि-मुनियों को ताड़का और अन्य राक्षसों के आतंक से परेशान दिखाया गया। राक्षसों के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए महर्षि विश्वामित्र (मुकेश शर्मा) अयोध्या नरेश राजा दशरथ (राजू गांधी) के दरबार में पहुंचे और

उनसे भगवान श्रीराम व लक्ष्मण को अपने साथ भेजने का आग्रह किया। राजा दशरथ अपने पुत्रों की कम आयु के कारण उन्हें भेजने को लेकर संकोच में पड़ गए। इस दौरान गुरु वशिष्ठ (भारत श्रीवास्तव) ने उन्हें राजधर्म का महत्व समझाया। भगवान श्रीराम (सुभाष सैनी) और लक्ष्मण (पवन भटनागर) ने भी संवादों के माध्यम से अपने क्षत्रिय धर्म, वीरता, साहस, पराक्रम और वचन के प्रति निष्ठा का परिचय दिया। रामलीला का सबसे रोमांचक दृश्य ताड़का वध का रहा। ताड़का की भूमिका निभा रहे सुरेश प्रजापत ने अपनी दमदार अदाकारी, डरावनी वेशभूषा, भयानक गर्जना और आग के गोलों के प्रभावशाली मंचन से वन का वातावरण भयावह बना दिया। ऊंची इमारतों से आग की लपटें और गोले निकलते देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। ताड़का के रौद्र रूप को देखकर छोटे बच्चे डरकर अपने माता-पिता के पास छिपते नजर आए।



कारगिल युद्ध के पहले शहीद बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह यादव की पत्नी हैं। डॉ. सुधा यादव मूल रूप से रेवाड़ी जिले के मोतला कलां गांव की रहने वाली हैं। उनकी शादी बीएसएफ में कमांडेंट रहे रेवाड़ी जिला के ही धामलावास गांव निवासी सुखबीर सिंह यादव के साथ हुई थी। कारगिल युद्ध में पति की शहादत के बाद डॉ. सुधा यादव ने हिम्मत नहीं हारी और परिवार व समाज के लिए खुद को समर्पित कर दिया। वे वर्ष 1999 में सांसद भी रह चुकी हैं। डा. सुधा यादव 1999 से 2004 तक हरियाणा के महेंद्रगढ़ सीट से 13वीं लोकसभा की सदस्य रहीं। तीन जुलाई 2015 को उन्हें बीजेपी में ओबीसी मोर्चा की नेशनल इंचार्ज

बनाया गया। उन्होंने 2019 से 2022 तक भारत सरकार के लिए नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेस की सदस्य के तौर पर काम किया। 17 अगस्त 2022 को वे बीजेपी के पार्लियामेंट्री बोर्ड की सदस्य बनीं। सुषमा स्वराज के बाद वह यह पद संभालने वाली दूसरी महिला हैं। डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का राज्यपाल बनाए जाने पर गुरुग्राम के सेक्टर 10 और रेवाड़ी स्थित उनके पैतृक गांव में भी जश्न का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि सुधा यादव ने शहादत के बाद जो संघर्ष किया, वह हर महिला के लिए प्रेरणा है। आज वे संवैधानिक पद पर पहुंची हैं तो यह पूरे अहीरवाल क्षेत्र का सम्मान है।

यमन संघर्ष से फिर खाड़ी में युद्ध के बादल

भाषा सिंह

यमन में हूती विद्रोहियों और यमन सरकार के बीच चल रही लड़ाई विस्फोटक कगार पर पहुंच चुकी है। इसने ईरान युद्ध के बाद पश्चिम एशिया को फिर एक नए तनाव में धकेल दिया है। सऊदी अरब के दमम हवाई अड्डे पर भी 11 अक्टूबर को हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई है। इससे पहले, शनिवार, 10 अक्टूबर को रियाद हवाई अड्डे पर हूतियों ने हमला बोला था, जिसमें एक भारतीय समेत 13 लोगों की मौत हुई और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए। इस हमले का दुनिया भर में कड़ा विरोध हुआ है। भारत ने भी इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सऊदी अरब के मुख्य हवाई अड्डे पर हमला किया गया, जो निंदनीय है और किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे हमलों को तुरंत रोकना होगा। एक हफ्ते में रियाद के किंग खालिद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और दमम हवाई अड्डे को मिलाकर सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर ये चौथा हमला है। दुनिया भर के देशों ने इन हमलों की निंदा की है। हूती विद्रोहियों द्वारा लगातार सऊदी अरब को निशाना बनाकर हमले करने से खाड़ी के देशों और पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। इसके बाद इस बात की आशंका बलवती हो गई है कि क्या यमन में सत्ता की लड़ाई खाड़ी में युद्ध की ज्वाला को भड़का सकती है, खासतौर से तब, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से इसमें हस्तक्षेप करने की बात कही है। ट्रंप ने हूतियों के इन हमलों के खिलाफ सऊदी अरब के साथ उत्तरे की बात कही है, क्योंकि सऊदी अरब खाड़ी में अमेरिका का सबसे भरोसेमंद दोस्त रहा है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि ईरान इस नए तनाव में अमेरिका का दखल नहीं चाहता और उसने हूतियों तथा सऊदी अरब के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है, ताकि इलाके का मसला इलाके में ही हल हो जाए।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, हूती विद्रोहियों और यमन की सऊदी अरब समर्थित सरकार के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष में अगस्त से अब तक 46 से अधिक नागरिक मारे गए हैं। यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हैंस गुंडबर्ग ने चेतावनी दी है कि यमन में फिर से बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू हो सकता है, जो पूरे इलाके को अशांति में धकेल देगा। हैंस ने जिस बात की ओर इशारा किया है, उसके मूल में यमन के भीतर और बाहर, यानी पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन के लिए चल रहा संघर्ष



है। इसी दृष्टिकोण से सऊदी अरब के साथ मिलकर यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच चल रहे संघर्ष को समझा जाना चाहिए। सऊदी अरब खाड़ी के सबसे बड़े, संपन्न और ताकतवर देशों में से एक है। वह खाड़ी के उन देशों में भी शामिल है, जिनके इस्त्राइल के साथ कूटनीतिक संबंध न होने के बावजूद उसके प्रति दोस्ताना व्यवहार रहा है। ईरान को सऊदी अरब भी पसंद नहीं करता। हूतियों के हमलों की ओमान, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों ने आलोचना की है। इस संघर्ष का दूसरा पहलू यह है कि यमन की राजधानी सना, जहां 2014 से हूती विद्रोहियों का कब्जा है, वहां

यमन सरकार लगातार हवाई हमले कर रही है। यमन की सरकार ने हूतियों के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा की है, ताकि वह सना पर दोबारा कब्जा हासिल कर सके। राजधानी सना पर ये हमले 2023 में यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच हुए अंतरराष्ट्रीय समझौते का उल्लंघन हैं। हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब को इसलिए निशाना बनाया है, क्योंकि वह यमन की सरकार का समर्थन कर रहा है। सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र से हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर हमले हो रहे हैं, जिन्हें हूती अंतर्राष्ट्रीय संधि का उल्लंघन बताते हैं। इस तरह यमन में चल रहे घरेलू सत्ता संघर्ष ने एक

अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष का रूप ले लिया है।

यमन की स्थिति पेचीदा है। यहां यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच लंबे समय से गृहयुद्ध चल रहा है, जो पिछले कुछ समय से तेज हो गया है। यमन की राजधानी सना सहित उत्तर-पश्चिमी इलाके पर हूती विद्रोहियों का कब्जा है। हूती ईरान के करीबी माने जाते हैं, जबकि यमन की मान्यता प्राप्त सरकार के प्रमुख रशाद अल-अलीमी हैं और सरकार को सऊदी अरब का समर्थन प्राप्त है। इस बीच, हूती विद्रोहियों और सरकार के बीच लड़ाई देश के भीतर इलाकों पर कब्जे तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें सऊदी अरब और लाल सागर के

विचार

इसलिए सीईसी को हटा पाना है मुश्किल

अभिषेक शुक्ल

गतांक से आगे...

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों को दरकिनार करते हुए मतदाता सूची और विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित एकतरफा निर्णय लिए हैं। यह 2023 के अधिनियम की धारा 18 का सीधा उल्लंघन है, जो यह अनिवार्य करती है कि चुनाव आयोग के सभी निर्णय सर्वसम्मति या बहुमत से लिए जाने चाहिए। राकेश कुमार सिंह की याचिका में जहां मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल निर्लंबित करने की मांग की गई, वहीं त्रिपाठी की याचिका में मांग की गई कि बिना सामूहिक अधिकार के मतदाता सूची में बदलाव करने के लिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर मुकदमा चलाया जाए। यद्यपि न्यायालय ने तत्काल निर्लंबन से इनकार कर दिया लेकिन चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। उच्चतम न्यायालय ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि यदि जांच में यह साबित होता है कि फैसले बिना बहुमत के लिए गए तो उन फैसलों को रद्द कर दिया जाएगा। इस तथ्य को परखने के लिए अदालत ने चुनाव आयोग की आंतरिक फाइलों, बैठकों के एजेंडे और कार्यवृत्त को न्यायिक समीक्षा के लिए तलब किया है। किन्तु यहां पर सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि देश के संविधान में मुख्य चुनाव आयुक्त को निर्लंबित करने का कोई प्रावधान नहीं है। इसमें केवल उन्हें पद से हटाने की एक अत्यंत कठोर प्रक्रिया निर्धारित की गई है। अनुच्छेद 324(5) के तहत, मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के समान तरीके और आधार यथा 'साबित कदाचार या असमर्थता' पर ही हटाया जा सकता है, जिसके लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है। संविधान में निर्लंबन तंत्र की यह अनुपस्थिति चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने के लिए एक जानबूझकर बनाया गया सुरक्षा कवच है। यह सुनिश्चित करता है कि कार्यपालिका अनुशासनात्मक कार्रवाई के बहाने मुख्य चुनाव आयुक्त को मनमाने ढंग से किनारे न कर सके और चुनाव आयोग के स्वतंत्र कामकाज को अस्थायी रूप से बाधित या प्रभावित न कर पाए। ऐसे में न्यायालय से मुख्य चुनाव आयुक्त के निर्लंबन की मांग करना न्यायसंगत नहीं है। दूसरी ओर, मुख्य चुनाव आयुक्त को 2023 के अधिनियम की धारा 16 के तहत मुकदमे के विरुद्ध संरक्षण प्राप्त है। उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान किए गए किसी भी कार्य या लिए गए निर्णय के खिलाफ कोई भी दीवानी या आपराधिक कार्यवाही नहीं की जा सकती और यह सुरक्षा उनके पद छोड़ने के बाद भी बरकरार रहती है। जब तक 2023 के अधिनियम की धारा 16 को न्यायालय द्वारा विधिशून्य नहीं घोषित किया जाता, तब तक मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। ऐसे में उच्चतम न्यायालय 2023 के अधिनियम के प्रावधानों और भारत निर्वाचन आयोग के निर्णयों का न्यायिक पुनरावलोकन कर उसे विधिशून्य घोषित कर सकता है। किन्तु उच्चतम न्यायालय न तो निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति करने वाली समिति के सदस्यों का निर्धारण कर सकता है और न ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटा या निर्लंबित कर सकता है। नियुक्ति और बर्खास्तगी कार्यपालिका का क्षेत्राधिकार है। इसमें न्यायपालिका का न्यूनतम हस्तक्षेप होना चाहिए।

इसी बीच विपक्ष के सांसदों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। किन्तु यहां पर यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त नहीं है। राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल तभी हटा सकते हैं जब संसद के दोनों सदन उन्हें विशेष बहुमत द्वारा ऐसा करने के लिए अधिकृत करें। मुख्य चुनाव आयुक्त को पदच्युत करने की प्रक्रिया भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 (5) में दी गई है। इसके लिए विपक्ष को सदन में प्रस्ताव लाना होगा। किन्तु विपक्ष के पास इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए पर्याप्त संख्या बल नहीं है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता इस बात में निहित है कि वे राजनीतिक दबावों और सार्वजनिक बहसों से अप्रभावित रहकर अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करें। संविधान निर्माताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद को कार्यपालिका की ममनर्जी और तात्कालिक राजनीतिक उथल-पुथल से परे रखने के लिए ही महाभियोग जैसी जटिल प्रक्रिया की ढाल दी। वर्तमान विवाद यह स्पष्ट करता है कि निर्वाचन आयोग के आंतरिक प्रशासनिक निर्णयों पर न्यायिक समीक्षा की नजर भले ही बनी रहे लेकिन राजनीतिक मांग या अदालती अर्जी के सहारे मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाना या निर्लंबित करना न तो संवैधानिक रूप से संभव है और न ही संसदीय अंकगणित के लिहाज से आसान। अंततः, संस्था की गरिमा और संवैधानिक सीमाओं का संतुलन ही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है।

—समाम

आपदा प्रबंधन में यह बात और भी साफ़ तौर पर दिखाई देती है। मैंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में छह साल बिताए हैं। चेतावनी मिलने के बाद कार्रवाई के लिए समय बहुत कम होता है। हो सकता है कि सैटेलाइट किसी असामान्य चीज़ का पता लगाए, रडार बहुत ज्यादा बारिश होने का संकेत दे, नदी का जलमापक पानी का खतरनाक स्तर दिखाए या कोई वैज्ञानिक एजेंसी सही चेतावनी जारी करे। फिर भी, इनमें से कोई भी चीज़ अकेले किसी की जान नहीं बचा सकती। नवंबर, 2023 में सिलक्वारा टनल हादसे के दौरान मैंने खुद इसकी अहमियत देखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति की गंभीरता को जल्द समझ लिया और निर्देश दिया कि बिना किसी देरी के ज़रूरी हर संसाधन उपलब्ध कराया जाए। हमने कामयाबी पाने के लिए पूरी लगन के साथ काम किया। हमने इस बचाव अभियान को एक युद्ध की तरह लिया है। तकनीकी सूचना को सबसे पहले ऐसी भाषा में बदलना ज़रूरी है, जिसे आसानी से समझा जा सके। ज़मीन पर काम करने वाले व्यक्ति को किसी वैज्ञानिक शोध-पत्र की ज़रूरत नहीं होती। उसे पांच सवालों के जवाब चाहिए होते हैं : क्या होने की संभावना है? कहाँ? कब? किसे खतरा है? अब क्या करना चाहिए? तकनीकी जानकारी को कार्रवाई के निर्देशों में बदलने के इस काम को आपदा प्रबंधन में अवसर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। यह काम सटीकता और तेज़ी से होना चाहिए। तेज़ी से बदलते हालात वाली आपातस्थिति में जानकारी की उपयोगिता समय के साथ ख़त्म हो जाती है।

ज़िला स्तर पर हो युद्धकाल जैसी तैयारी

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन

सेना में एक बात अक्सर सुनने को मिलती है : ‘कोई लड़ाई नहीं लगी है।’ यानी जब कोई युद्ध नहीं चल रहा है, तब इतनी जल्दी किस बात की ? लेकिन खुफिया विभाग, क्रियान्वयन, योजना, कमान और रणनीतिक मामलों में अपनी ख़िंदगी बिताने के बाद, मेरा मानना इसके उलट रहा है। मेरी दृष्टि में, हमें हमेशा ही युद्धकाल जैसी तैयारियां रखनी चाहिए—भले ही युद्ध वास्तव में न हो, लेकिन संस्थागत तौर पर हो। कभी भी कोई संकट खड़ा हो सकता है। संकट आने के बाद तैयारी शुरू नहीं की जा सकती। ज़मीनी स्तर पर सैनिक अक्सर इसका पूर्वाभ्यास करते हैं। प्रत्येक कमान-नियुक्ति के दौरान, मुश्किल हालात में मैंने अपने मातहतों के लिए एक नियम बनाया था : जब भी कोई जानकारी मिले, सबसे पहले मुझ तक पहुंचाई जाए। पूरी तस्वीर साफ़ होने का इंतज़ार न करें। इसलिए, स्टाफ़ और मातहत कमांडर अपना वह काम करते रहे, जिसका प्रशिक्षण उन्हें दिया गया था। मैं निगरानी रखता, सलाह देता, विकल्पों पर चर्चा करता या ज़रूरत पड़ने पर दखल देता। कमांडर को शुरुआती कुछ मिनट बर्बाद नहीं करने चाहिए। मुझे रात के किसी भी पहर जगाया जा सकता था। मैंने अपने संदेशवाहकों को निर्देश दे रखा था कि जानकारी देने से पहले मुझे आधा मिनट दिया जाए। मेरे बिस्तर के पास हमेशा गर्म पानी रहता था। उन चंद सेकंडों में मैं अपनी चेतना को एकाग्र कर पाऊं और गला साफ़ कर सकूं। संकट के समय कमांडर की आवाज़ में संयम और अधिकार का भाव होना चाहिए। 26/11 का मुंबई आतंकी हमला इस बात की स्थायी याद दिलाता है कि सूचना, भले ही ठुकड़ों में और समय के साथ-साथ मिले, अपने आप बचाव की कार्रवाई शुरू नहीं करा देती। सूचना प्राप्त करना और उसे कार्रवाई में बदलना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। ख़तरे की पहचान होने और उसके जवाब में कार्रवाई करने के बीच कई चरण होते हैं : जानकारी का सही अर्थ निकालना, उसे आगे संप्रेषित करना, फ़ैसला लेना, आदेश देना, इंतज़ाम करना और क्रियान्वयन करना। तथापि, हर चरण में विफलता की संभावना रहती है।

आपदा प्रबंधन में यह बात और भी साफ़ तौर पर दिखाई देती है। मैंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में छह साल बिताए हैं। चेतावनी मिलने के बाद कार्रवाई के लिए समय बहुत कम होता है। हो सकता है कि सैटेलाइट किसी असामान्य चीज़ का पता लगाए, रडार बहुत ज्यादा बारिश होने का संकेत दे, नदी का जलमापक पानी का खतरनाक स्तर दिखाए या कोई वैज्ञानिक एजेंसी सही चेतावनी जारी करे। फिर भी, इनमें से कोई भी चीज़ अकेले किसी की जान नहीं बचा सकती। नवंबर, 2023 में सिलक्वारा टनल हादसे के दौरान मैंने खुद इसकी अहमियत देखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति की गंभीरता को जल्द समझ लिया और निर्देश दिया कि बिना किसी देरी के ज़रूरी हर संसाधन उपलब्ध कराया जाए। हमने कामयाबी पाने के लिए पूरी लगन के साथ काम किया। हमने इस बचाव अभियान को एक युद्ध की तरह लिया है। तकनीकी सूचना को सबसे पहले ऐसी भाषा में बदलना ज़रूरी है, जिसे आसानी से समझा जा सके। ज़मीन पर काम करने वाले व्यक्ति को किसी वैज्ञानिक शोध-पत्र की ज़रूरत नहीं होती। उसे पांच सवालों के जवाब चाहिए होते हैं : क्या होने की संभावना है? कहाँ? कब? किसे खतरा है? अब क्या करना चाहिए? तकनीकी जानकारी को कार्रवाई के निर्देशों में बदलने के इस काम को आपदा प्रबंधन में अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता



है। यह काम सटीकता और तेज़ी से होना चाहिए। तेज़ी से बदलते हालात वाली आपातस्थिति में जानकारी की उपयोगिता समय के साथ ख़त्म हो जाती है। चेतावनी कितनी जल्दी मिलती है, यह प्रतिक्रियात्मक उपाय करने के लिए उपलब्ध समय को निर्धारित करता है। हर ऐसी देरी, जिसे टाला जा सकता था, इस समय को बर्बाद कर देती है। जानकारी पहुंचाने के लिए तकनीक कई प्रकार के माध्यम मुहैया कराती है, जैसे सेल ब्रॉडकास्ट, एसएमएस, मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म, टेलीविज़न, रेडियो, सोशल मीडिया, सायरन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, सैटेलाइट कम्प्युनिकेशन और सरकारी एवं पुलिस नेटवर्क। लेकिन संदेश जारी करना और उसे सही ढंग से पहुंचाना एक ही बात नहीं है। सरकार को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने के लिए हर उपलब्ध तरीके का इस्तेमाल करना चाहिए और बैकअप के तौर पर एक से ज्यादा तरीके अपनाने चाहिए। हर किसी को चेतावनी नहीं मिल पाएगी। हो सकता है कि किसी का फ़ोन बंद हो, नेटवर्क काम न कर रहा हो या लोग सो रहे हों। भाषा और साक्षरता भी मायने रखती हैं। दूर-दराज़ के इलाकों में सिग्नल की कमी हो सकती है और कुछ लोग सलाह को नज़रअंदाज़ भी कर सकते हैं। इसीलिए मैं ज़िला स्तर पर आपातकालीन प्रतिक्रिया अभियानों को लेकर चिंतित रहता हूं। भारत में लगभग 750 ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हैं फिर भी हर जगह स्थायी और पेशेवर ऑपरेशन रूम नहीं हैं। जून 2023 में गुजरात सरकार ने एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया, जब चक्रवात ‘बिपरजॉय’ की आशंका के मद्देनज़र 3.2 करोड़ संदेश भेजे गए और एक भी जान नहीं गई।

पहली चेतावनी कहां पहुंचनी चाहिए ? रात दो बजे चैनल की निगरानी कौन करेगा ? कौन इसे प्राप्त करेगा और ज़िला मॉजिस्ट्रेट को सूचित करेगा ? कौन इसे लागू करने योग्य आदेशों में बदलेगा ? कौन पुलिस, अग्निशमन सेवा, अस्पतालों, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की इकाइयों, इंजीनियरों और स्थानीय प्रशासन को सतर्क करेगा ? कौन लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने का आदेश देगा,

शरणस्थलों की पहचान करेगा, परिवहन की व्यवस्था करेगा और यह पुष्टि करेगा कि कार्रवाई शुरू हो गई है ? कौन कार्रवाई की स्थिति पर नज़र रखेगा ? कौन नागरिकों को बताएगा कि मदद आ रही है ? इन सभी बातों का निर्धारण पहले से होना चाहिए और उनका पूर्वाभ्यास भी किया जाना चाहिए। ऑपरेशन रूम प्रतिक्रिया का नाड़ी तंत्र होता है। इसके लिए प्रशिक्षित लोगों, अद्यतन संपर्क निर्देशिका, मानक संचालन प्रक्रियाओं, संचार के लिए बैकअप सिस्टम, संसाधनों की जानकारी, निर्णय लेने की व्यवस्था, लेखा-जोखा रखने की प्रणाली और मिल-जुलकर काम करने की आदत की ज़रूरत होती है। आपसी तालमेल और तुरंत प्रतिक्रिया देने की क्षमता पहले से ही विकसित करके रखनी पड़ती है। यह क्रम स्वाभाविक आदत बन जाना चाहिए : संदेश मिलना, समझना, सरल बनाना, निर्णय लेना, संप्रेषित करना, लोगों को जुटाना, पुष्टि करना, अद्यतन जानकारी देना और भरोसा दिलाना। चेतावनी के बाद संचार व्यवस्था भंग नहीं होनी चाहिए। आपदा में फंसे लोगों को यह जानने की ज़रूरत होती है कि क्या हो रहा है, उन्हें क्या करना चाहिए और क्या मदद आ रही है। जानकारी की कमी होने पर राहत पहुंचने की तुलना में अफ़वाहें तेज़ी से फैलती हैं। यही सिद्धांत राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी लागू होता है। साइबर हमले, आतंकी घटनाएं, सेना से जुड़ी आपातकालीन स्थितियां और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में विफलताएं भले ही देखने में अलग-अलग हों, लेकिन ये सभी जानकारी और कार्रवाई के बीच के अंतर को परीक्षा लेती हैं। संकट के शुरुआती कुछ मिनट कमान से संपर्क स्थापित करने, टेलीफ़ोन नंबर खोजने, अनजान तकनीकी शब्दों को समझने या अधिकार पर बहस करने के लिए नहीं होते। ये वे पल होते हैं, जब उन कामों को अंजाम दिया जाता है, जिनके बारे में संस्थाओं ने पहले ही सोच-विचार कर लिया हो और जिनका पूर्वाभ्यास किया जा चुका हो। इसलिए, ‘कोई लड़ाई नहीं लगी है’ जैसी सोच काम न करने का तर्क कभी नहीं बननी चाहिए। बल्कि, यह तैयारी करने की वजह होनी चाहिए।

एक नजर

मुंगेर-मिर्जाचौकी फोरलेन पर ग्रामीणों का महा-सत्याग्रह,मुंह पर लाल कपड़ा बांधकर किया चक्काजाम



भागलपुर,एजेंसी। जिले के नाथनगर अंतर्गत कँझिया मोड़ पर मंगलवार सुबह व्यवस्था के खिलाफ ग्रामीणों का बड़ा आक्रोश फूटा। क्षेत्र में लंबे समय से लंबित सड़क, नाला और सर्विस रोड की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने एक अनोखा सत्याग्रह आंदोलन शुरू कर दिया। विरोध का तरीका बेहद आक्रामक और प्रतीकात्मक था। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं और पुरुषों ने अपने मुंह पर लाल कपड़ा बांध रखा था। अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी करते हुए ग्रामीणों ने मुंगेर-मिर्जाचौकी फोरलेन पर बांस-बल्ला लगा दिया और आवागमन को पूरी तरह से ठप कर दिया। सुबह करीब 8 बजे शुरू हुए इस चक्काजाम के कारण देखते ही देखते फोरलेन के दोनों ओर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। इनमें कई यात्री बसें, व्यावसायिक ट्रक और एंबुलेंस जैसी आवश्यक सेवाएं भी फंस गईं, जिससे आम राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आंदोलन स्थल पर जुटे ग्रामीणों का कहना है कि फोरलेन निर्माण के बाद से स्थानीय स्तर पर सड़क, नाला और सर्विस रोड नहीं होने की वजह से उनका जीवन मुहाल हो गया है। जलजमाव और मुख्य सड़क पर आने-जाने में हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार ध्यान आकर्षित कराए जाने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण आखिरकार उन्हें सत्याग्रह और सड़क जाम का रास्ता अपनाना पड़ा। सड़क जाम और हंगामे की सूचना मिलते ही मधुसूदनपुर थाना की पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने, शांत कराने और जाम हटाने की काफी कोशिश की। पुलिस ने आशवासन भी दिया कि उनकी मांगें सक्षम प्राधिकार तक पहुंचाई जाएंगी, लेकिन प्रदर्शनकारी एस से मस नहीं हुए। ग्रामीणों ने दो ट्रक शब्दों में कहा कि जब तक संबंधित विभाग के वरीय अधिकारी खुद मौके पर नहीं आते और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर लिखित या ठोस आशवासन नहीं देते, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। ग्रामीणों के इस कड़े रुख के कारण समाचार लिखे जाने तक फोरलेन पर जाम की स्थिति बनी हुई थी और प्रशासन वैकल्पिक रास्तों से यातायात को बहाल करने की कोशिशों में जुटा है। सभी की नजरें अब प्रशासनिक अधिकारियों के रुख और उनके द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर टिकी हैं।

रूईधासा महाकाल मंदिर में मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना, दर्शन को उमड़े श्रद्धालु



किशनगंज। शहर के रूईधासा स्थित महाकाल मंदिर में मंगलवार को शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और भक्तिमय वातावरण से गुंज उठा। सुबह से ही मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि नवरात्र का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना की जाती है। मां चंद्रघंटा को साहस, शौर्य और शक्ति की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि उनकी आराधना से भक्तों के मन का भय दूर होता है तथा कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए आत्मबल और आत्मविश्वास प्राप्त होता है। गुरु साकेत ने बताया कि मां चंद्रघंटा का स्वरूप अत्यंत तेजस्वी और दिव्य है। उनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित रहता है, जिसके कारण उन्हें मां चंद्रघंटा कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं में उन्हें शक्ति, शौर्य और दुष्टों का संहार करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। उनके हाथों में सुशोभित अस्त्र-शस्त्र भक्तों को निर्भय होकर जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बताया कि मां चंद्रघंटा को सफेद रंग की मिठाइयां, खीर और चमेली के फूल अर्पित करना शुभ माना जाता है। पूजा के दौरान ‘ ? देवी चन्द्रघण्टया नमः’ मंत्र का जाप करने की भी विशेष महत्ता है। श्रद्धा और एकाग्रता से मंत्र जाप करने पर मन को शांति मिलने तथा आत्मविश्वास बढ़ने की मान्यता है। नवरात्र के तीसरे दिन लाल रंग के वस्त्र धारण करना भी शुभ माना जाता है। महाकाल मंदिर में मां दुर्गा की पूजा के साथ महाकाल बाबा की भी नियमित आराधना की जाती है। यहां किशनगंज के अलावा आसपास के जिलों से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। संध्या के समय मंदिर में आरती का आयोजन किया जाता है, जिसमें भक्त शामिल होकर माता से सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। नवरात्र के अवसर पर मंदिर में विशेष धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है।

नशे के खिलाफ राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली का किशनगंज में होगा भव्य स्वागत

किशनगंज। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर नशे के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया जा रहा है। गुजरात के एकता नगर स्थित केरळ्डिया में ‘फाइट अगेस्ट ड्रग्स’ विषय पर आयोजित होने वाली इस रैली में पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्यों की टीमें हिस्सा लेंगी। किशनगंज पुलिस एवं जिला प्रशासन के सौजन्य से इन टीमों का जिले में भव्य स्वागत किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 14 अक्टूबर 2026 को पूर्वोत्तर के आठ राज्यों त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और सिक्किम की मोटरसाइकिल रैली टीमें अपने-अपने शुरुआती स्थानों से रवाना होकर किशनगंज के रास्ते बिहार में प्रवेश करेंगी। यहां से ये टीमें पूर्णिया सहित निर्धारित मार्ग से आगे बढ़ेंगी। राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली की टीम के किशनगंज पहुंचने पर 14 अक्टूबर को फरिंगगोला चेकपोस्ट पर भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद खगड़िया स्थित शहीद अशफाकउल्ला खां स्टेडियम में टीम के स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन होगा। इस दौरान रैली के माध्यम से नशामुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा।

सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी छूटे हुए कार्य मार्च 2027 तक पूर्ण करें : मुख्यमंत्री

पटना,एजेंसी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम हॉल में ‘राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम’ में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलाधिकारी सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी भवन, अस्पताल, विद्यालय भवन, आंगबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य संस्थान, छूटे हुये टोलों के सड़क आदि की मरम्मती, रख-रखाव, साफ-सफाई का कार्य 31 मार्च 2027 के पहले पूर्ण करायें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों में रंग-रोगन, चहारदीवारी, मरम्मती कार्य, शौचालय, पेयजल एवं बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दें। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त वर्ग-कक्षाओं एवं भवनविहीन विद्यालयों में भवन निर्माण तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण में तेजी से कार्यें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संबद्ध विभाग शिकायतों का समयबद्ध समाधान करते रहें ताकि आमजनों को त्वरित राहत मिल सके। सहयोग कार्यक्रम के माध्यम से शिकायतों का समाधान समयय होने से आम लोगों को राहत मिल रही है, उनका विश्वास बढ़ा है, उसे बनाये रखना है। सभी अधिकारी और कर्मी आवेदन के निष्पादन में अपना पूर्ण सहयोग दें। संवेदनशीलता और तत्परता के साथ सभी की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें न्याय दिलाना हमारा दायित्व है। आज आयोजित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में कुल 101 आवेदक उपस्थित हुए, जिनके मामलों का निष्पादन किया गया। बैठक के दौरान राज्य भर से आये हुये आवेदकों ने राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी-अपनी समस्यायें

दुर्गा पूजा पर महंगाई की मार : भागलपुर के बाजारों में फलों के दाम बढ़े, श्रद्धालुओं का बजट बिगड़ा

भागलपुर। शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा को लेकर शहर के फल बाजारों में रौनक तो बढ़ गई है, लेकिन इस बार त्योहार पर महंगाई का रंग साफ शब्दों में कहा कि जब तक संबंधित विभाग के वरीय अधिकारी खुद मौके पर नहीं आते और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर लिखित या ठोस आशवासन नहीं देते, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। ग्रामीणों के इस कड़े रुख के कारण समाचार लिखे जाने तक फोरलेन पर जाम की स्थिति बनी हुई थी और प्रशासन वैकल्पिक रास्तों से यातायात को बहाल करने की कोशिशों में जुटा है। सभी की नजरें अब प्रशासनिक अधिकारियों के रुख और उनके द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर टिकी हैं।

बाजार विश्लेषकों और स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, विक्रमशिला पुल के पास मार्ग प्रभावित होने तथा हाल ही में आई बाढ़ के कारण माल ढुलाई का खर्च बढ़ गया है। इसके चलते बाहरी राज्यों से आने वाले फलों की आवक पर असर पड़ा है और लागत बढ़ गई है। पूजा के कारण विशेष रूप से सेब, केला, नारियल और पानीफल की मांग सबसे अधिक है। भागलपुर की विभिन्न मंडियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में फलों के खुदरा भाव सेब 120 - 160 रुपया प्रति किलो, अनार 170 - 200 रुपया प्रति किलो, मौसमी/संतरा 100 - 120 रुपया प्रति किलो, केला 50 - 70 रुपया प्रति दर्जन, नारियल 40 - 60 रुपया प्रति पीस, अमरूद

100 रुपया प्रति किलो और खीरा 60 रुपया प्रति किलो है। फलों के साथ-साथ उपवास में इस्तेमाल होने वाले ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल आया है। पूजा और उपवास में सबसे ज्यादा मांग मखाना की हो रही है। थोक एवं खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, त्योहारों के सीजन में मांग बढ़ने और आपूर्ति सीमित होने के कारण काजू, बादाम और पिस्ता जैसी चीजों के दाम भी पिछले महीने की तुलना में 15 से 20 फीसदी तक तेज हो गए हैं। फल खरीदने पहुंचे राहुल कुमार ने बताया, ‘नवरात्र में फल अनिवार्य हैं, लेकिन इस बार कीमतें बजट से बाहर जा रही हैं। पिछले साल की तुलना में हर फल महंगा मिल रहा है।’ वहीं, फलों की मंडी के एक व्यापारी ने कहा, ‘माल ढुलाई महंगी होने और त्योहार की वजह से पीछे से ही फल महंगे आ रहे हैं। दाम बढ़ने के बावजूद लोग अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं, लेकिन भारी महंगाई के कारण कारोबार पर थोड़ा असर जरूर पड़ा है। आने वाले दिनों में महानवमी और विजयादशमी के मौके पर फलों की मांग और बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों में फिलहाल कमी आने के आसार नहीं दिख रहे हैं।

विक्रमशिला सेतु मरम्मत : क्षतिग्रस्त स्लैब काटने का काम तेज, एनजीटी की शर्तों के तहत मलबे को गंगा से बाहर निकालने की सख्त कवायद

भागलपुर। उत्तर और दक्षिण बिहार को आपस में जोड़ने वाले अति महत्वपूर्ण विक्रमशिला सेतु के स्थायी जीर्णोद्धार का कार्य इन दिनों तेजी से प्रगति पर है। सेतु के पिलर नंबर 133 के पास तीन कमजोर स्लैबों को कटर मशीनों के जरिए काटकर हटाने की प्रक्रिया चल रही है। 1 अक्टूबर से पुल पर परिचालन पूरी तरह बंद किए जाने के बाद, निर्माण एजेंसी तीन पालियों में 24 घंटे कर्मियों की तैनाती कर काम को अंजाम दे रही है ताकि तय समय सीमा में कार्य पूरा किया जा सके।

इस बार मरम्मत कार्य में गति के साथ-साथ पर्यावरणीय सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की गाइडलाइन के कड़े अनुपालन को लेकर बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के प्रबंध निदेशक तितेंद्र कुमार ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि स्लैब काटने के दौरान नदी को स्वच्छ रखने और गांगेय डॉल्फिनों की सुरक्षा के लिए जलशक्ति मंत्रालय और एनएमसीजी के तय मानकों का पूरी तरह ध्यान रखा जा रहा है। कंक्रीट और लोहे के मलबे का एक भी टुकड़ा गंगा नदी में नहीं गिरने दिया जाएगा। इसके लिए नदी के ऊपर जालीमुमा लोहे का विशेष सुरक्षा मवान तैयार किया गया है। सुरक्षा और गति दोनों हमारी प्राथमिकता हैं। पुल निर्माण निगम के सहायक अभियंता के अनुसार, कटर मशीनों से स्लैब के साथ पीसीसी गर्ड को भी काटा जा रहा है, ताकि पुराना क्षतिग्रस्त हिस्सा सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।



रखीं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, शिक्षा विभाग, गृह विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, ऊर्जा विभाग सहित अन्य विभागों से जुड़े मामले को लेकर मुख्यमंत्री ने संबद्ध जिला के जिलाधिकारी एवं विभाग को निर्देश दिया कि समय सीमा के अंदर आवेदकों की समस्याओं का समाधान करें।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर संबद्ध विभाग एवं जिलाधिकारी ने आवेदक की समस्या का ससमय समाधान का आशवासन दिया। जिन आवेदकों की समस्याओं का समाधान हो गया उन्होंने राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम की सराहना की। कुछ आवेदक जब मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रख रहे थे, उस दौरान मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिलाधिकारी एवं संबद्ध विभाग द्वारा समस्याओं

भागलपुर में दुर्गा पूजा को लेकर अग्निशमन विभाग अलर्ट: 24 घंटे काम करेगा कंट्रोल रूम, पंडालों में सुरक्षा मानकों की जांच तेज

भागलपुर,एजेंसी। जिले में दुर्गा पूजा को सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो गई हैं। एक तरफ जहां पूजा समितियां पंडालों और मूर्तियों को अंतिम रूप देने में चौबीसों घंटे जुटी हैं, वहीं दूसरी तरफ त्योहार के दौरान अगलगी की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए अग्निशमन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए विभाग ने 24 घंटे संचालित होने वाला विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया है। इसके साथ ही, जिला अग्निशमन पदाधिकारी रमन राज खुद विभिन्न पूजा पंडालों का लगातार औचक निरीक्षण कर रहे हैं और आयोजकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दे रहे हैं। अग्निशमन विभाग ने पूजा समितियों के लिए कड़े सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। जिला अग्निशमन पदाधिकारी रमन राज ने बताया कि प्रत्येक पूजा पंडाल में अग्निशमन यंत्र, पानी से भरे ड्रम और बालू की बोरियां रखना अनिवार्य कर दिया गया है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आयोजक केवल सजावट और रोशनी पर ध्यान न दें, बल्कि सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें। पंडालों में आग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम पहले से होने चाहिए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में शुरुआती स्तर पर तुरंत बचाव कार्य शुरू किया जा सके। पूजा पंडालों में भव्य सजावट और रोशनी के लिए व्यापक स्तर पर अस्थायी वायरिंग की जाती है, जिससे शॉर्ट सर्किट और दुर्घटनाओं का खतरा सबसे अधिक रहता है। इसे देखते हुए



अग्निशमन विभाग ने तकनीकी पहलुओं पर विशेष हिदायत दी है। अस्थायी वायरिंग की जांच सभी पूजा समितियां मुख्य बिजली लाइन और पंडाल की वायरिंग की पूरी तरह जांच करवाएं। बिजली के तारों में कहीं भी जोड़ खुला नहीं होना चाहिए। सभी जोड़ों पर अच्छी गुणवत्ता का इंसुलेशन टेप अनिवार्य है। पंडाल के भीतर या आसपास खाना बनाने, हैलोजन लाइट को कपड़ों/पदों के पास रखने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। दुर्गा पूजा के दौरान उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए अगलगी या किसी भी अन्य आपात स्थिति पर त्वरित कार्रवाई के लिए अग्निशमन विभाग ने राउंड द क्लॉक (24 घंटे) कंट्रोल रूम को सक्रिय कर दिया है। जैसे ही किसी पंडाल या

त्योहारी सीजन में यात्रियों को लूटने वाले अंतरजिला गिरोह का पर्दाफाश, खगड़िया के 6 शातिर गिरफ्तार

भागलपुर। दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ के त्योहारी सीजन में ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ का फायदा उठाकर यात्रियों को अपना शिकार बनाने वाले एक बड़े अंतरजिला गिरोह का भागलपुर रेल पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को भागलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या छह पर एक विशेष घेराबंदी अभियान चलाकर खगड़िया जिले के छह शातिर अपराधियों को रंगे हाथ धर दबोचा। आरपीएफ इंस्पेक्टर अमित कुमार गिरि और जीआरपी थाना प्रभारी नसीम अहमद ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर इस बड़ी कामयाबी का खुलासा किया।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से यात्रियों से छीने गए कीमती मोबाइल फोन, सोने की चेन और लुटपाट में इस्तेमाल होने वाले कई घातक हथियार और सर्जिकल ब्लेड बरामद किए हैं। पकड़े गए सभी आरोपी पेशेवर अपराधी हैं और मूल रूप से खगड़िया जिले के रहने वाले हैं। जिसमें साव (35 वर्ष), राजीव कुमार (33 वर्ष), मुकेश कुमार (35 वर्ष), विकास कुमार (29 वर्ष), माया राम (38 वर्ष) और सुधांशु कुमार (19 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस द्वारा की गई सघन तलाशी के दौरान अपराधियों के पास से एंड्रॉयड स्मार्टफोन 05 (विभिन्न ब्रांड्स के कीमती फोन), कीपेड मोबाइल 01, रोलगोल्ड चेन 03 (यात्रियों से झपटी गई), 01 चाकू और 02 फोल्डेबल कैंची, 02 सिजेरियन ब्लेड और 02 साधारण ब्लेड (पॉकेट काटने के लिए) और अन्य सामान 01 ताला और 01 चाबी बरामद किया गया

नवादा में निशांत ने गिनाई एनडीए सरकार के विकास कार्यों की फेहरिस्त, एमएलसी चुनाव में मांगा समर्थन

नवादा। आगामी स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद चुनाव को लेकर मंगलवार को नवादा के गांधी मैदान में एनडीए की ओर से जनसभा आयोजित की गई। जनसभा में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार समेत बिहार सरकार के कई मंत्रियों, विधायकों और एनडीए के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। सभा के माध्यम से जहां एनडीए नेताओं ने सरकार के विकास कार्यों को गिनाया, वहीं स्नातक एवं शिक्षक मतदाताओं से अपने प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बीच आयोजित इस कार्यक्रम को एनडीए के शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा गया।

जनसभा का उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री श्रवण कुमार, दीपक प्रकाश, जहानाबाद के पूर्व सांसद डॉ. अरुण कुमार, नवादा विधायक विभा देवी, गोविंदपुर विधायक विनिता मेहता, विधान पार्षद अशोक यादव, जदयू जिलाध्यक्ष राज किशोर दांगी, भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल मेहता और विधायक विमल राजवंशी सहित कई नेता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। सभा में एनडीए

कार्यकर्ताओं के अलावा बड़ी संख्या में शिक्षक और स्नातक मतदाता भी शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी का चुनाव केवल विधान परिषद में प्रतिनिधि चुनने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों के सम्मान और बिहार के भविष्य के जुड़ा महत्वपूर्ण चुनाव है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने शिक्षकों की नियुक्ति, विद्यालयों के विकास और उच्च शिक्षा में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार की प्राथमिकता युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की रही है। निशांत कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदलाव हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग सरकार के कार्यों को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन शिक्षित समाज वास्तविक स्थिति से परिचित है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे विकास और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को ध्यान में रखकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

एक नजर

दिल्ली कैपिटल्स के सहायक और बल्लेबाजी कोच बने युवराज सिंह



नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के सहायक एवं बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को उनकी नियुक्ति की घोषणा की। यह युवराज के करियर की पहली औपचारिक कोचिंग भूमिका होगी। वह पहली बार आईपीएल में कोच के रूप में नजर आएंगे। 44 वर्षीय युवराज ने भारतीय टीम के लिए 304 एकदिवसीय, 40 टेस्ट और 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। वह 2007 के आईसीसी टी20 विश्व कप और 2011 के एकदिवसीय विश्व कप में भारत की खिताबी जीत के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल रहे। हाल के वर्षों में उन्होंने कई स्थापित और उभरते भारतीय क्रिकेटरों का मार्गदर्शन भी किया है। दिल्ली कैपिटल्स के साथ युवराज का यह दूसरा जुड़ाव होगा। वर्ष 2015 में उस समय दिल्ली डेयरडेविल्स के नाम से खेलने वाली फ्रेंचाइजी ने उन्हें 16 करोड़ रुपये में खरीदा था। उस समय वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। उन्होंने उस सत्र में टीम की ओर से सभी 14 मुकाबले खेले थे। दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक पार्थ जिंदल ने युवराज की नियुक्ति पर खुशी जताते हुए कहा कि उनका अनुभव, जीतने का जज्बा और खिलाड़ियों से जुड़ने की क्षमता टीम के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। उन्होंने युवराज को भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन मैच विजेताओं में से एक बताते हुए कहा कि उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। फ्रेंचाइजी के सह-मालिक और जीएमआर स्पोर्ट्स के संस्थापक किरण कुमार ग्रांथी ने भी युवराज का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि युवराज का शानदार क्रिकेट करियर, प्रतिस्पर्धी भावना और खेल की गहरी समझ टीम के कोचिंग ढांचे को मजबूती देगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि युवराज के अनुभव और मार्गदर्शन से खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार आएगा। वहीं, अपनी नियुक्ति पर युवराज ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के साथ नई पारी शुरू करना उनके लिए खास है। फ्रेंचाइजी के साथ उनका पुराना जुड़ाव रहा है और वह उसके मालिकों को भी अच्छी तरह जानते हैं। उन्होंने कहा कि वह टीम के कोचिंग स्टाफ के साथ काम करने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने के लिए उत्साहित हैं।

सीनियर नेशनल हॉकी चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ ने 12–1 से दर्ज की बड़ी जीत



झांसी,एजेंसी। मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप-2026 में मंगलवार को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। प्रतियोगिता में हॉकी छत्तीसगढ़ ने उत्तराखंड को 12–1 से हराकर सबसे बड़ी जीत दर्ज की। वहीं बिहार, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश और दादरा-नगर हवेली एवं दमन-दीव की टीमों ने भी अपने-अपने मुकाबले जीते। पहले मुकाबले में हॉकी राजस्थान ने आंध्र प्रदेश को 5–3 गोल से पराजित किया। राजस्थान की ओर से अंकित रावत और अनुराग सुथर ने दो-दो गोल किए, जबकि कुणाल कुंडल ने एक गोल दागा। दूसरे मैच में बिहार ने गुजरात को 7–2 से हराया। बिहार के जानी कुमार ने सर्वाधिक तीन गोल किए। मोहम्मद सिद्दीक, रविकांत कुमार, अतीत कुमार और अभय कुमार ने एक-एक गोल किया। तीसरे मुकाबले में हॉकी अरुणाचल ने गोवा हॉकी को 4–3 से शिकस्त दी। मनोज यादव ने दो, जबकि शिवम सिंह और कप्तान अभिनव सिंह ने एक-एक गोल किया। चौथे मैच में दादरा-नगर हवेली एवं दमन-दीव हॉकी टीम ने तेलंगाना को 2–0 से हराया। सुनील यादव और नागेंद्र सिंह ने एक-एक गोल किया। अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अब्दुल अजीजी ने मुद्रस्सर कुरैशी को मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया। दिन के अंतिम मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने उत्तराखंड को 12–1 से करारी शिकस्त दी। कप्तान संदीप कुमार और सोनू निषाद ने तीन-तीन गोल किए, जबकि तरुण यादव ने दो गोल दागे। प्रतियोगिता का आयोजन हॉकी इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश हॉकी, जिला प्रशासन और क्षेत्रीय खेल कार्यालय के समन्वय से हो रहा है। बुधवार को छह मुकाबले खेले जाएंगे।

हेजलवुड के छह विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को डरबन टेस्ट में 214 रनों से हराया

डरबन,एजेंसी। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की घातक गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को 214 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। किंग्समीड में खेले गए मुकाबले में 421 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 206 रन पर सिमट गई। हेजलवुड ने 49 रन देकर छह विकेट लिए, जबकि सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने 237 गेंदों पर 75 रन बनाकर संघर्ष किया। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 314 रन बनाकर घोषित की थी। इससे पहले उसने पहली पारी में 390 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 284 रन पर आउट हो गई थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर बढ़त हासिल कर दक्षिण अफ्रीका के सामने 421 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। ऑस्ट्रेलिया की जीत के नायक मैट रेनशां रहे, जिन्होंने पहली पारी में 190 रन की शानदार पारी खेली और दूसरी पारी में 82 रन बनाए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में दो विकेट भी झटके। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभालने वाले रेनशां का यह प्रदर्शन उनके करियर के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। रेनशां ने टेस्ट करियर में इससे पहले 30 गेंदें डालने के बावजूद कोई विकेट नहीं लिया था। इस मुकाबले में उन्होंने अपना पहला टेस्ट विकेट दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बाबुमा को आउट करके हासिल किया। इसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की।

ऑस्ट्रेलिया के लिए निक मैडिनसन ने दूसरी पारी में 48 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज और एनरिक नॉर्विखा



ने दो-दो विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 102 रन बनाए थे। पांचवें दिन मार्करम और वियान मुल्डर ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की जीत का इंतजार बढ़ाया। दोनों ने धैर्य और मजबूत रक्षात्मक तकनीक का प्रदर्शन किया। मार्करम ने 129 गेंदों पर अपना 14वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। वह दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में नौवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका औसत 60 से अधिक है, जो उनके करियर के औसत 35 से काफी बेहतर है। मुल्डर ने 110 गेंदों तक ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना किया लेकिन हेजलवुड की गेंद पर विकेट के पीछे कैच दे बैठे। इसके कुछ ही देर बाद रेनशां की गेंद पर

स्टीव स्मिथ ने काइल वेरेन का कैच पकड़कर दक्षिण अफ्रीका को एक और झटका दिया। स्मिथ ने चोट से संबंधित जांच में सफल रहने के बाद मैदान पर वापसी की थी। लंच के बाद दक्षिण अफ्रीका ने कुछ देर तक संघर्ष जारी रखा। मार्को यानसन ने मिचेल स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर टीम को 200 रन के पार पहुंचाया, लेकिन दूसरी नई गेंद मिलने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। हेजलवुड ने नई गेंद से लगातार दबाव बनाया और दक्षिण अफ्रीका की पारी को तहस-नहस कर दिया। मार्करम स्टार्क की गेंद पर अंदरूनी किनारा लगाकर विकेटकीपर एलेक्स कैरी को कैच दे बैठे। इसके बाद हेजलवुड ने एनरिक नॉर्विखा को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की जीत पर मुहर लगा दी।

भारतीय मुक्केबाजी को 40 करोड़ रुपये की मजबूती, दो साल तक प्रतिभाओं को निखारेगा इंडियन ऑयल

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय खेल विकास कोष, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने साझेदारी की है। इस पहल के तहत इंडियन ऑयल अगले दो वर्षों में 40 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इस राशि का इस्तेमाल प्रतिभाओं की पहचान, खिलाड़ियों के विकास, कोचिंग, खेल विज्ञान, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और मुक्केबाजी अकादमियों को मजबूत बनाने के लिए किया जाएगा।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस साझेदारी को देश में खेलों के विकास में कॉरपोरेट क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि संशोधित खेलो इंडिया योजना के तहत सरकार कॉरपोरेट साझेदारों के साथ सहयोग को गहरा कर रही है और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से होने वाला निवेश देशव्यापी खेल तंत्र तैयार करने में मदद करेगा। मांडविया ने कहा कि इस समझौते से खेलों में कॉरपोरेट क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा, ‘सिर्फ मुक्केबाजी ही नहीं बल्कि हर खेल में कॉरपोरेट संस्थानों को आगे आकर मदद करनी चाहिए। शुरुआती और

विकास के चरण में खेलों को सहयोग की जरूरत होती है। बाद में जब खेल का तंत्र आकार लेने लगता है तो वह खुद को संभालने में सक्षम होने लगता है और निवेश भी आने लगता है। उन्होंने समग्र मुक्केबाजी तंत्र के निर्माण के लिए प्रतिभाओं की पहचान के साथ उपकरणों, खेल विज्ञान, सुविधाओं, कोचों के विकास और रेफरी के प्रशिक्षण में निवेश को भी जरूरी बताया।

इस समझौते का उद्देश्य इंडियन ऑयल के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सहयोग, राष्ट्रीय खेल विकास कोष की संसाधन जुटाने में भूमिका और भारतीय खेल प्राधिकरण की तकनीकी विशेषज्ञता को एक साथ लाना है। इससे मुक्केबाजों को बेहतर कोचिंग, वैज्ञानिक सहयोग, प्रशिक्षण सुविधाओं और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कोचों, रेफरी और तकनीकी अधिकारियों की क्षमता बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाएगा। यह साझेदारी ऐसे समय में हुई है, जब भारतीय मुक्केबाजों ने 2026 एशियाई खेलों में छह पदक जीते, जिनमें तीन स्वर्ण और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

सिद्धार्थ के दम पर फाफामऊ सेमीफाइनल में, मेजा की पहली जीत में चमके विनय

प्रयागराज,एजेंसी। नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण में मंगलवार को फाफामऊ विधानसभा की टीम ने हंडिया को चार विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। दूसरे मुकाबले में मेजा विधानसभा ने करछना को आठ विकेट से पराजित कर प्रतियोगिता में पहली जीत दर्ज की। फाफामऊ की जीत में सिद्धार्थ मिश्र ने नाबाद 35 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई, जबकि मेजा की जीत के नायक विनय यादव रहे। उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों को कुल 1 लाख 2 हजार 400 रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई।

पहले मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी हंडिया विधानसभा की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 133 रन बनाए। आयुष यादव ने 57 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि लवकुश चौहान ने 40 रन का योगदान दिया। फाफामऊ की ओर से मोहम्मद उस्मान ने दो विकेट लिए। प्रियांशु यादव, आकाश गिरी, आदित्य मौर्य और गौरव पाठक को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी फाफामऊ की टीम ने 17.5 ओवर में छह विकेट खोकर 134 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। सिद्धार्थ मिश्र 35 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सौरभ प्रताप सिंह ने 29 रन बनाए। हंडिया की ओर से प्रेरक पाल ने तीन विकेट लेकर मुकाबले में संघर्ष किया।



सद्भाव यादव ने दो और आदर्श सिंह ने एक विकेट लिया। जीत के साथ ही फाफामऊ ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मैच से पहले आदर्श करवरिया और क्रिकेट कोच परवेज आलम ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मुकाबले के बाद पूर्व क्रिकेटर विनोद कुशवाहा ने सिद्धार्थ मिश्र को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। दिन के दूसरे मुकाबले में मेजा के गेंदबाजों ने करछना की टीम को बड़ा स्कोर बनाने का मौका नहीं दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी करछना की पूरी टीम 18.1 ओवर में 92 रन पर सिमट गई। शुभम गुप्ता ने 28 और राहुल निषाद ने 23 रन बनाए। मेजा की ओर से संदीप पटेल ने तीन विकेट लिए। विनय यादव ने भी तीन बल्लेबाजों

को आउट किया, जबकि अर्जुन दुबे और आशु उपाध्याय को दो-दो विकेट मिले। 93 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजा की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 11.3 ओवर में दो विकेट खोकर 96 रन बना लिए और आठ विकेट से जीत दर्ज की। अर्जुन दुबे ने नाबाद 40 रन बनाए, जबकि अंकित यादव ने 27 और विनय यादव ने 25 रन का योगदान दिया। विनय यादव ने 18 गेंदों पर 25 रन बनाने के साथ चार ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट भी हासिल किए। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए पूर्व रणजी खिलाड़ी जावेद खान ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया। मैच से पहले सुयश शर्मा और जाहिद अली ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह संमालेंगे कप्तानी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब-2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित कर दी। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की टीम में वापसी हुई है। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में भारतीय टीम 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाले टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने जापान में आयोजित एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतकर लगातार दूसरी बार महाद्वीपीय खिताब अपने नाम किया था। टीम में उस सफल अभियान के प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। युवा डिफेंडर लकड़ा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन ललागे को भी सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने का एक और अवसर मिला है। 18 सदस्यीय मुख्य टीम के अलावा मिडफील्डर विष्णुकांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को रिवर्ज खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है।

भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने पंजाब में टूर्नामेंट के आयोजन को खास बताया। उन्होंने कहा, ‘पंजाब में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खेलना विशेष अनुभव होगा।

इस टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। हम धरेंलू दर्शकों के उत्साह से प्रेरणा लेने के लिए तैयार हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा अनुभव कहीं और नहीं मिलता और हमें इसकी कमी महसूस हो रही थी।’ यह प्रतियोगिता पंजाब में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। पंजाब ने भारतीय हॉकी को कई दिग्गज खिलाड़ी दिए हैं और इस खेल के विकास में राज्य का बड़ा योगदान रहा है। जालंधर और मोहाली में मुकाबलों के आयोजन से एशिया की शीर्ष हॉकी टीमों को इस खेल की मजबूत परंपरा वाले क्षेत्र में खेलने का अवसर मिलेगा। भारत इस टूर्नामेंट की मौजूदा चैंपियन टीम है और अब तक पांच बार खिताब जीतकर प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम बनी हुई है। धरेंलू मैदान पर भारतीय टीम अपने रिकॉर्ड को और बेहतर बनाने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट की शुरुआत जालंधर में होगी। ऑलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में 27 अक्टूबर से दो नवंबर तक उद्घाटन समारोह और लीग चरण के सभी मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद प्रतियोगिता का निर्णायक चरण मोहाली में आयोजित होगा।



होने के साथ दर्शकों के लिए भी आकर्षक बने। यह परिसर केवल ग्रां प्री के दौरान ही सक्रिय नहीं रहेगा। इसे सालभर अंतरराष्ट्रीय मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिताओं, बड़े आयोजनों, सम्मेलनों और मनोरंजन कार्यक्रमों की मेजबानी करने वाले केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। इससे क्षेत्र में निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। फॉर्मूला वन के अनुसार, अफ्रीका में उसके 10 करोड़ से अधिक प्रशंसक हैं। उम-सहारा अफ्रीका के प्रमुख बाजारों में लगभग 60 प्रतिशत प्रशंसक 35 वर्ष से कम आयु के हैं। ऐसे में इस महाद्वीप को खेल के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जा रहा है। रवांडा पहले भी कई बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी कर चुका है। इनमें यूसीआई रोड विश्व

चैंपियनशिप, आईसीसी महिला चैलेंज ट्रॉफी, 2023 फीफा काप्रेस, बास्केटबॉल अफ्रीका लीग, 2024 में अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोबाइल महासंघ की महासभा और पुरस्कार समारोह शामिल हैं। रवांडा सरकार को उम्मीद है कि फॉर्मूला वन अफ्रीकन ग्रां प्री से देश की वैश्विक पहचान मजबूत होगी और खेल, पर्यटन, नवाचार तथा कारोबार के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे। परियोजना का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने, स्थानीय प्रतिभाओं को विकसित करने और समुदायों तथा कारोबारियों के लिए रोजगार के अवसर बनाने पर भी केंद्रित है। रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे ने इस समझौते को पूरे अफ्रीका के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा, ‘आज का दिन अफ्रीका का है।

काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता-2026 क्रॉस कंट्री रेस के साथ अंतर-विश्वविद्यालय खेलकूद स्पर्धा की शुरुआत

वाराणसी,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता-2026 के तहत तीन दिवसीय अंतर-विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर में मंगलवार से शुरू हुई। पहले दिन पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए ‘क्रॉस कंट्री रेस’ का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय क्रोडा परिषद के महासचिव प्रो. अनुपम कुमार नेमा ने हरी झंडी दिखाकर धावकों को एम्फीथियेटर ग्राउंड से रवाना किया। इस रोमांचक दौड़ में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुल 56 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सुरक्षा और स्वास्थ्य के मद्देनजर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मौके पर एम्बुलेंस एवं सुरक्षाकर्मियों की पुख्ता व्यवस्था की गई थी।

अंतर-विश्वविद्यालय काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता की सचिव डॉ. कविता वर्मा ने बताया कि यह आयोजन नोडल ऑफिसर डॉ. सदानंद गुप्ता एवं समन्वयक डॉ. पूजा सिंह के विशेष सहयोग इण्डियन बैंक के प्रायोजन से सुचारू रूप से हो रहा है। खेल प्रभाारी डॉ. खुशींद अहमद द्वारा घोषित आधिकारिक परिणामों के अनुसार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ का दबदबा रहा। पुरुष वर्ग (शीर्ष स्थान)में पहले नंबर पर विपिन यादव (काशी विद्यापीठ) समय:

30:09.19,दूसरे स्थान पर पवन यादव (काशी विद्यापीठ) समय: 30:22.18,तीसरे स्थान पर मोहित यादव (बीएचयू) समय: 30:40.81 रहे। इसी तरह महिला वर्ग में पहले स्थान पर छाया भारती (काशी विद्यापीठ) समय: 36 मिनट 41 सेकेंड,दूसरे स्थान पर कृति राय (बीएचयू) समय: 41 मिनट 42 सेकेंड,तृतीय स्थान पर प्रियंका पटेल (काशी विद्यापीठ) समय: 41 मिनट 58 सेकेंड रही। प्रतियोगिता की सचिव डॉ. कविता वर्मा ने बताया कि अगले दो दिनों में आयोजित होने वाले खेल आयोजनों में 14 अक्टूबर को हॉकी (पुरुष वर्ग)शाम 4:30 बजे से एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान पर खेला जाएगा। इसके प्रभाारी डॉ. वैभव राय हैं। बास्केटबॉल (पुरुष वर्ग):शाम 4:30 बजे से बास्केटबॉल कोर्ट पर मुकाबला होगा। इसके प्रभाारी डॉ. धीरेंद्र तिवारी एवं उप प्रभाारी डॉ. किरण आर्या हैं। 15 अक्टूबर को बास्केटबॉल (महिला वर्ग) शाम 4:30 बजे से बास्केटबॉल कोर्ट पर खेला जाएगा। इसके प्रभाारी डॉ. धीरेंद्र तिवारी एवं उप प्रभाारी डॉ. प्रमोद कुमार यादव हैं। इस क्रम में वॉलीबॉल (पुरुष एवं महिला वर्ग) शाम 4:30 बजे से वॉलीबॉल कोर्ट पर मैच आयोजित होंगे। इसके प्रभाारी डॉ. राबिन कुमार सिंह और उप प्रभाारी क्रमशः डॉ. राजीव कुमार सिंह एवं डॉ. हरौराम यादव हैं।

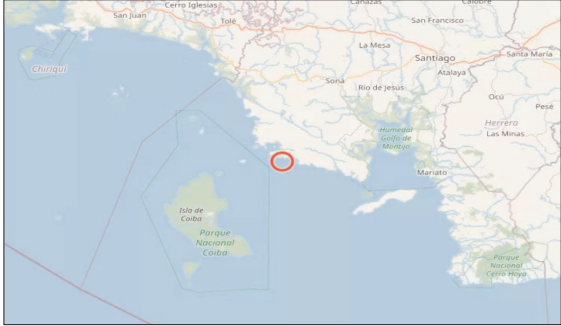
एक नजर

इजराइल में फाइबर ऑप्टिक और सिम कार्ड से संचालित ड्रोन पर छह महीने की पाबंदी



तेल अवीव,एजेंसी। इजराइल ने देश के हवाई क्षेत्र में फाइबर ऑप्टिक केबल और मोबाइल नेटवर्क के जरिये नियंत्रित होने वाले ड्रोन के इस्तेमाल पर छह महीने की अस्थायी पाबंदी लगा दी है। इस संबंध में विशेष सुरक्षा आदेश पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसका उद्देश्य ड्रोन से पैदा हो रहे सुरक्षा खतरों से निपटना है। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि यह आदेश रविवार को हस्ताक्षरित किया जाना था और अतिरिक्त सुरक्षा उपाय तलाशे जाने तक छह महीने प्रभावी रहेगा। प्रतिबंध सभी प्रकार के ड्रोन पर लागू नहीं होगा। इसका दाघरा उन ड्रोन तक सीमित रहेगा, जिन्हें फाइबर ऑप्टिक केबल से नियंत्रित किया जाता है या जिनमें सिम कार्ड लगा होता है और जो पारंपरिक रेडियो फ्रीक्वेंसी के बजाय वाणिज्यिक मोबाइल नेटवर्क के माध्यम से संचालित होते हैं। प्रस्तावित आदेश में सुरक्षा एजेंसियों की ओर से या उनकी ओर से किए जाने वाले कार्यों को छूट देने का प्रावधान है। इसके अलावा, आदेश लागू होने से पहले इजराइल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण से अनुमति प्राप्त फाइबर ऑप्टिक और सिम कार्ड नियंत्रित ड्रोन भी निर्धारित शर्तों के तहत छूट के पात्र होंगे। आदेश में छूट संबंधी आवेदनों पर विचार करने के लिए एक विशेष समिति गठित करने का भी प्रावधान है। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने बताया कि यह कदम देश के भीतर और बाहर से मिलने वाली सुरक्षा संबंधी खुफिया सूचनाओं तथा बढ़ते खतरों के मद्देनजर उठाया गया है। इनमें ड्रोन हमले, वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने की कोशिशें, अपराधियों और आपराधिक गिरोहों द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल, खुफिया जानकारी जुटाना और तस्करी जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

पनामा में फिर डोली धरती, 6.4 तीव्रता के भूकंप से दहशत



पनामा सिटी। पनामा के लोग कुछ दिन पहले आए शक्तिशाली भूकंप के झटकों से उबर भी नहीं पाए कि उन्हें 6.4 मैग्नीट्यूड के ताजा आपत्तर्शाक ने फिर हिला दिया। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव फिर वेरागुआस प्रांत के सोना जिले में पड़ा। जिले के लोग घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। पनामा के स्पेनिश भाषा के दैनिक अखबार क्रिटिका (सीआरआईटीआईसीए) की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार 12 अक्टूबर की दोपहर पनामा के लोगों को फिर भूकंप के झटकों ने डरा दिया। भूकंप के आते ही सोना जिले में बिजली गुल हो गई। इसके बाद शाम 6:20 बजे 6.4 तीव्रता का फिर भूकंप आया। इसकी गहराई 2 किलोमीटर रही। इसका सेंटर पनामा के इलाके में कोइबा आईलैंड से 29 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में रहा। यह ताजा भू-गर्भीय हलचल लॉस सैंटोस प्रांत के टोनेोसी इलाके में शुक्रवार को 7.7 तीव्रता के भूकंप के ठीक तीन दिन बाद हुई है। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, ताजा भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई। भारतीय समय के अनुसार, भूकंप सुबह 4 बजकर 50 मिनट 37 सेकंड पर आया। इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी। फिलहाल इस ताजा भूकंप से हुए नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। लॉस सैंटोस प्रांत के टोनेोसी इलाके में शुक्रवार को भूकंप आने के बाद पनामा में सार्वजनिक परिवहन और हवाई सेवाएं भी प्रभावित हुई थीं। एहतियात के तौर पर देश की दो मेट्रो लाइनों पर सेवाएं रोक दी गई थीं। मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी कुछ समय के लिए बंद किया गया था। सबसे ज्यादा नुकसान दक्षिणी तट पर स्थित कोक्ले प्रांत में सामने आया था। राजधानी पनामा सिटी में भी कुछ नुकसान हुआ था।

इंडोनेशियाई क्रू सदस्य के कारण इजराइल जा रही इथियोपियन एयरलाइंस की उड़ान लौटी



यरूशलम। इजराइल में उतरने जा रही इथियोपियन एयरलाइंस की एक कार्गो उड़ान को बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा। हिब्रू मीडिया की कई रिपोर्टों के मुताबिक, विमान में इंडोनेशिया का एक क्रू सदस्य सवार था और इजराइली अधिकारियों ने उसे देश में उतरने की अनुमति नहीं दी। विमान ने रविवार और सोमवार की दरमियानी रात अदीस अबाबा से उड़ान भरी थी। इजराइल और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। चैनल 13 की रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान में सवार क्रू सदस्यों की सूची इजराइली अधिकारियों को विमान के उड़ान भरने के बाद भेजी गई थी। इसके बाद लैंडिंग की अनुमति से जुड़ा मामला सामने आया और विमान को वापस लौटना पड़ा। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब इजराइल में विमानों के चालक दल की सुरक्षा जांच को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। रिपोर्ट में इसका संबंध फ्लाईडुबई की एक कथित घटना से भी जोड़ा गया है, जिसमें ओमान के एक पायलट ने विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने के प्रयास में अपने सह-पायलट पर चाकू से हमला किया था। उस घटना के बाद इजराइल में उन देशों के सैकड़ों क्रू सदस्यों के आने-जाने को लेकर सुरक्षा संबंधी सवाल उठे थे, जिन्हें इजराइल शत्रु देश मानता है। हालांकि, इथियोपियन एयरलाइंस की उड़ान से जुड़े मामले में अधिकारियों की विस्तृत प्रतिक्रिया और जांच के निष्कर्षों की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

पाकिस्तान के मुल्तान में रहमान बाबा एक्सप्रेस बेपटरी, कम से कम छह यात्रियों की मौत, 30 घायल



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुल्तान में मंगलवार तड़के हुए रेल हादसे में कई लोग मारे गए। पुलिस और बचाव अधिकारियों ने पुष्टि की कि मुल्तान में शेर शाह ब्रिज के पास रहमान बाबा एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से कम से कम छह यात्रियों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने कहा कि इस रेलगाड़ी के सभी 14 कोच बेपटरी हो गए।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, घायलों को मुल्तान के निश्चर अस्पताल ले जाया गया। बचाव दल दुर्घटना स्थल पर मौजूद हैं। एक यात्री के

अनुसार, दुर्घटना सुबह करीब 5:15 बजे हुई। पुलिस की शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह ट्रेन कराची से पेशावर जा रही थी। बचाव अधिकारियों ने बताया कि 13 कोच की तलाशी हो चुकी है। एक कोच में बचाव कार्य किया जा रहा है। एक यात्री ने पत्रकारों को बताया कि दुर्घटना से पहले रोहरी के पास कर्मचारियों ने कोच नंबर नौ के नट-बोल्ट कसे थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना का संज्ञान लिया और दुर्घटना में घायल यात्रियों के प्रति चिंता व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बचाव

बांग्लादेश में दुर्गा पंडालों की सुरक्षा का जिम्मा बीजीबी को

ढाका (बांग्लादेश)। देश में हिंदू समुदाय के सबसे बड़े त्योहार शारदीय नवरात्रि पर दुर्गा पूजा पंडालों की सुरक्षा के लिए 16 से 22 अक्टूबर तक बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के लगभग 10,000 जवानों को तैनात किया जाएगा। बीजीबी मुख्यालय में लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद महबुब मुर्शिद रहमान ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूजा आयोजन समितियों के तालमेल स्थापित किया गया है। बीजीबी के यह जवान सीमा और बटालियन मुख्यालय के पास सजने वाले 2,727 पंडालों की सुरक्षा करेंगे।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, लेफ्टिनेंट कर्नल रहमान ने कहा कि त्योहार के दौरान शांति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की गई है। इस दौरान जवान नियमित गश्त करेंगे। खुफिया एजेंसियां पंडालों की निगरानी करेंगी। बीजीपी ने स्थानीय प्रशासन, पुलिस और पूजा आयोजन समितियों के साथ समन्वय स्थापित किया है। उन्होंने कहा, 'संभावित खतरों की जल्द पहचान, अफवाहों और सांप्रदायिक भड़काऊ गतिविधियों के प्रति सतर्कता और किसी भी अप्रिय घटना पर तुरंत कार्रवाई को प्राथमिकता दी गई है।'



उन्होंने बताया कि बीजीबी 2,727 पूजा पंडालों को सुरक्षा सहायता प्रदान करेगा। इनमें सीमा से आठ किलोमीटर के दायरे में और बटालियन मुख्यालय के पास स्थित पंडाल भी शामिल हैं।दूरदराज और दुर्गम इलाकों में गहन गश्त और सहायता सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक स्थानों पर अस्थायी सुरक्षा शिविर भी लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना में ढाका के बारे में अभी कोई निर्णय नहीं किया गया है। सरकार से जिस तरह के निर्देश मिलेंगे, उस पर अमल किया जाएगा। लेफ्टिनेंट कर्नल ने दुर्गा पूजा को बांग्लादेश की सांप्रदायिक सद्भाव और आपसी सम्मान की लंबे समय से चली आ रही परंपरा पर प्रतीक बताते हुए कहा कि बीजीबी यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है कि हिंदू समुदाय के लोग सुरक्षित और खुशी-खुशी इस त्योहार को मना सकें।

सऊदी अरब के खमीस मुशैत पर हूती का बैलिस्टिक मिसाइल हमला विफल

रियाद,एजेंसी। सऊदी अरब की वायु रक्षा प्रणाली ने ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के देश के महत्वपूर्ण शहरों में से एक को निशाना बनाने के प्रयास को विफल कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि खमीस मुशैत शहर की तरफ दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही सफलतापूर्वक रोककर तबाह कर दिया। इस घटना के बाद से स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से सतर्क हैं।

गल्फ न्यूज, अल जजीरा और अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यमन में वैध सरकार को बहाल करने के लिए बने सऊदी नीत गठबंधन ने इस खतरनाक हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि मिसाइलों के हवा में नष्ट होने के कारण इनके कुछ टुकड़े आसपास की इमारतों और वाहनों पर गिरे। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी तरह के जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। सुरक्षा बलों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए स्थिति को नियंत्रण में ले लिया और स्थिति का जायजा लिया। खमीस मुशैत दक्षिण-पश्चिम सऊदी अरब के असिर प्रांत में स्थित एक प्रमुख शहर है। यह शहर असिर प्रांत की राजधानी आभा से लगभग 27 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। रियाद, जेद्दा, मक्का और मदीना के बाद यह सऊदी अरब का पांचवां सबसे बड़ा शहर माना जाता है। गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी का कहना है कि हूती विद्रोहियों ने सोमवार आधीरात बाद



यमन की सीमा से खमीस मुशैत एयरबेस की ओर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। उन्हें रोककर नष्ट कर दिया गया। इससे पहले सऊदी नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने खमीस मुशैत के लिए संभावित खतरे के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी जारी की थी। गठबंधन के आसपास ने इस घटनाक्रम की जानकारी एक्स पोस्ट के माध्यम से दी। गठबंधन ने सोमवार को कहा था कि वह ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से किए गए हमले का जवाब दे रहा है। हूती ने सऊदी अरब के हवाई अड्डों और तेल ठिकानों को निशाना बनाया है। किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को हूती हमलों में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार और गुरुवार को हुए हमलों में चार लोग और रविवार को एक और व्यक्ति मारा गया। सोमवार को रियाद के बाहरी इलाके में स्थित इस बड़े हवाई अड्डे पर कामकाज बंद रहा। अमेरिकी नागरिक हिरासत में: रियाद में अमेरिकी दूतावास ने सोमवार को कहा कि सऊदी

अरब में हाल के हमलों के वीडियो बना रहे अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है, लेकिन उनकी संख्या नहीं बताई गई। दूतावास ने कहा कि अब अमेरिका के सरकारी कर्मचारियों को सऊदी अरब में किसी भी हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने से पहले उससे मंजूरी लेनी होगी। 70 देशों ने हमले की निंदा की: सऊदी अरब के अधिकारियों ने बताया कि इस्लामिक मामलों के मंत्री अब्दुल लतीफ अल-शेख को 70 देशों के 176 मंत्रियों और विद्वानों के संदेश प्राप्त हुए हैं। सभी ने हूती हमलों की निंदा करते हुए कहा कि इससे मक्का और मदीना की दो पवित्र मस्जिदों, नागरिकों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा में। पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए खतरा है। सऊदी अरब के ग्रैंड मुफ्तरी और वरिष्ठ विद्वानों की परिषद के अध्यक्ष सालेह बिन हवाई अड्डे पर कामकाज बंद रहा। अमेरिकी नागरिक हिरासत में: रियाद में अमेरिकी दूतावास ने सोमवार को कहा कि सऊदी

यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा कर रहा अमेरिका: ट्रंप



वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका यूक्रेन के साथ अब भी खुफिया जानकारी साझा कर रहा है और रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के लिए मास्को तथा कीव, दोनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की युद्ध समाप्त करना चाहते हैं, लेकिन दोनों नेताओं के बीच गहरी दुश्मनी समाधान की राह में बाधा बनी हुई है। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, 'हम यूक्रेन की मदद कर रहे हैं और उसके साथ खुफिया जानकारी साझा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका युद्ध समाप्त करना चाहता है और इसके लिए रूस तथा यूक्रेन, दोनों के साथ प्रयास कर रहा है। ट्रंप के अनुसार, पुतिन और जेलेंस्की दोनों युद्ध खत्म करना चाहते हैं, लेकिन उनके

बीच बहुत अधिक नफरत है और उन्हें यह समझ नहीं आ रहा कि समाधान तक कैसे पहुंचा जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति से रूसी डीजल से जुड़े एक सौदे के बारे में भी सवाल पूछे गए। इस सौदे को लेकर दोनों प्रमुख अमेरिकी राजनीतिक दलों के सांसदों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि यह रूस के ऊर्जा आयात पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के संभावित उल्लंघन का मामला हो सकता है। ये प्रतिबंध यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद लगाए गए थे। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या इस सौदे से रूस को मिलने वाली कमाई का इस्तेमाल और बम खरीदने के लिए किया जा सकता है, तो उन्होंने सीधे जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि यह डीजल का सौदा है और इसका उद्देश्य अमेरिका के लिए आपूर्ति करना नहीं, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध कराना है।

इजराइल ने ग्रीस को लौटाई 22 प्राचीन कलाकृतिया



एथेंस,एजेंसी। इजराइल ने ग्रीस से अवैध रूप से हटाई गई 22 प्राचीन कलाकृतियां उसे वापस सौंप दी हैं। ग्रीस इसे अपनी सांस्कृतिक विरासत को वापस लाने के व्यापक अभियान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मान रहा है। एथेंस अब ब्रिटेन के संग्रहालय में रखी पार्थेनन की ऐतिहासिक मूर्तियों की वापसी के लिए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयास तेज कर रहा है। एथेंस स्थित राष्ट्रीय पुरातत्व संग्रहालय में आयोजित समारोह में ग्रीस की संस्कृति मंत्री लीना मेंडोनी ने इजराइल पुरावशेष प्राधिकरण के अधिकारियों से ये कलाकृतियां प्राप्त कीं। इस मौके पर इजराइल पुरावशेष प्राधिकरण के चोरी रोकथाम विभाग के प्रमुख अमीर गनोर भी मौजूद रहे। मेंडोनी ने कहा कि इजराइल की ओर से

ग्रीस को पुरावशेष लौटाने का यह पहला मामला है। इससे दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए सहयोग बढ़ाने का रास्ता खुलेगा। उन्होंने कहा कि किसी सांस्कृतिक वस्तु की उसके मूल स्थान पर वापसी का महत्व केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक और नैतिक भी होता है। लौटाई गई वस्तुओं में एक महिला की छोटी कांस्य प्रतिमा और विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन शामिल हैं। इनमें तेल रखने की पतली शीशियां, दो हथ्यों वाले बड़े पात्र और पौराणिक दृश्यों तथा ज्यामितीय आकृतियों से सजाए गए प्याले शामिल हैं। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, ये कलाकृतियां लगभग 700 से 320 ईसा पूर्व के बीच की हैं। ग्रीस में इजराइल की

राजदूत पिननत यानाय ने बताया कि इन वस्तुओं को इजराइली अधिकारियों ने प्राचीन कलाकृतियों के अवैध व्यापार की जांच के दौरान बरामद किया था। उन्होंने कहा कि ग्रीस और इजराइल, दोनों देशों में पुरातत्व का राष्ट्रीय जीवन में विशेष स्थान है। इससे लोगों को अपनी ऐतिहासिक जड़ों और पहचान को समझने में मदद मिलती है। ग्रीस अपनी सांस्कृतिक विरासत को वापस लाने के अभियान के तहत ब्रिटिश संग्रहालय में रखी पार्थेनन की मूर्तियों की वापसी की मांग भी कर रहा है। करीब 2,500 वर्ष पुरानी ये मूर्तियां एथेंस के एक्रोपोलिस परिसर से हटाई गई थीं और वर्तमान में लंदन के ब्रिटिश संग्रहालय में प्रदर्शित हैं।

हॉलीवुड अभिनेत्री ब्लेयर ने पलाइट में की मारपीट, गिरफ्तार

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। हॉलीवुड अभिनेत्री सेल्मा ब्लेयर को जॉन एफ. केनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से पुलिस ने हिरासत में लिया है। लॉस एंजेलिस से न्यूयॉर्क पहुंचे डेल्टा एयरलाइंस के विमान के यहां उतरते ही अभिनेत्री बिना मौका गंवाए पकड़ लिया गया। उन पर उड़ान के दौरान दो विमान एंजिलस कार्गो पर हमला करने का आरोप है। यही नहीं ब्लेयर पर अस्पताल ले जाते समय एक महिला पुलिस अधिकारी और अस्पताल में एक नर्स के साथ भी मारपीट करने का आरोप लगा है। सीएनबीसी की रिपोर्ट में पोर्ट अथॉरिटी ऑफ न्यूयॉर्क एंड न्यूजर्सी के हवाल से कहा गया है कि उन्हें रविवार रात करीब 11 बजे पुलिस ने गिरफ्तार किया। ब्लेयर के अलावा घायल विमान परिचारिकाओं में से एक को चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। बताया गया है कि ब्लेयर ने हमले के दौरान विमान परिचारिकाओं को काट लिया था। पुलिस के अनुसार,ब्लेयर ने जमैका अस्पताल ले जाते समय एक महिला पुलिस अधिकारी पर हमला कर दिया। एक नर्स का भी आरोप है कि अभिनेत्री ने उनके साथ मारपीट की।

क्वींस की एक अदालत में सोमवार देशराम ब्लेयर के खिलाफ हमले के दो आरोप तय किए गए। न्यायाधीश ने उन्हें 20,000 अमेरिकी डॉलर नकद या 60,000 अमेरिकी डॉलर के मुचलके पर जमानत दे दी। अदालत में अगली सुनवाई 19 नववरी में होगी। डेल्टा एयरलाइंस और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने इस घटना का विवरण



साझा नहीं किया है। 54 वर्षीय ब्लेयर ने क्रूएल इंटरेंस, लीगली ब्लॉन्ड और हेलबॉय आदि फिल्मों में प्रमुख भूमिका निभाई है। अदालत से जमानत मिलने के बाद उनके वकीलों ने भी मीडिया से कोई बात नहीं की। सूत्रों के मुताबिक, घटनाओं के समय ब्लेयर के साथ एक डॉग भी था। उनके वकील हॉस्पिटल में उनसे मिले और डॉग को अपने साथ ले गए। ब्लेयर के एक प्रतिनिधि ने कहा कि उड़ान में अभिनेत्री को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से यह कथित घटना हुई। उल्लेखनीय है कि ब्लेयर ने 2018 में बताया था कि उन्हें मल्टीपल स्केलेरोसिस है। ब्लेयर के साथ ऐसी पहली घटना नहीं है। 2016 में कैनकन से लॉस एंजिल्स जाने वाली एक उड़ान में वह हंगामा कर चुकी हैं। इस घटना में साफ हुआ था कि शराब और दवा लेने के बाद उन्हें होश नहीं रहा और उन्होंने अपने बर्ताव के लिए माफी भी मांगी थी।

